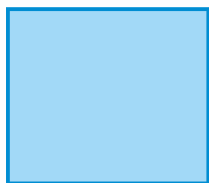


- 1 NO POVERTY
- 2 ZERO HUNGER
- 3 GOOD HEALTH AND WELL-BEING
- 4 QUALITY EDUCATION
- 5 GENDER EQUALITY
- 6 CLEAN WATER AND SANITATION
- 7 AFFORDABLE AND CLEAN ENERGY
- 8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH
- 9 INDUSTRY AND INFRASTRUCTURE
- 10 REDUCED INEQUALITIES
- 11 SUSTAINABLE CITIES AND COMMUNITIES
- 12 RESPONSIBLE CONSUMPTION AND PRODUCTION
- 13 CLIMATE ACTION
- 15 LIFE ON LAND
- 16 PEACE, JUSTICE AND STRONG INSTITUTIONS



# सीएसआर CSR 2021-22

वार्षिक रिपोर्ट Annual Report



# पावरग्रिड सीएसआर की पहुंच POWERGRID CSR Outreach

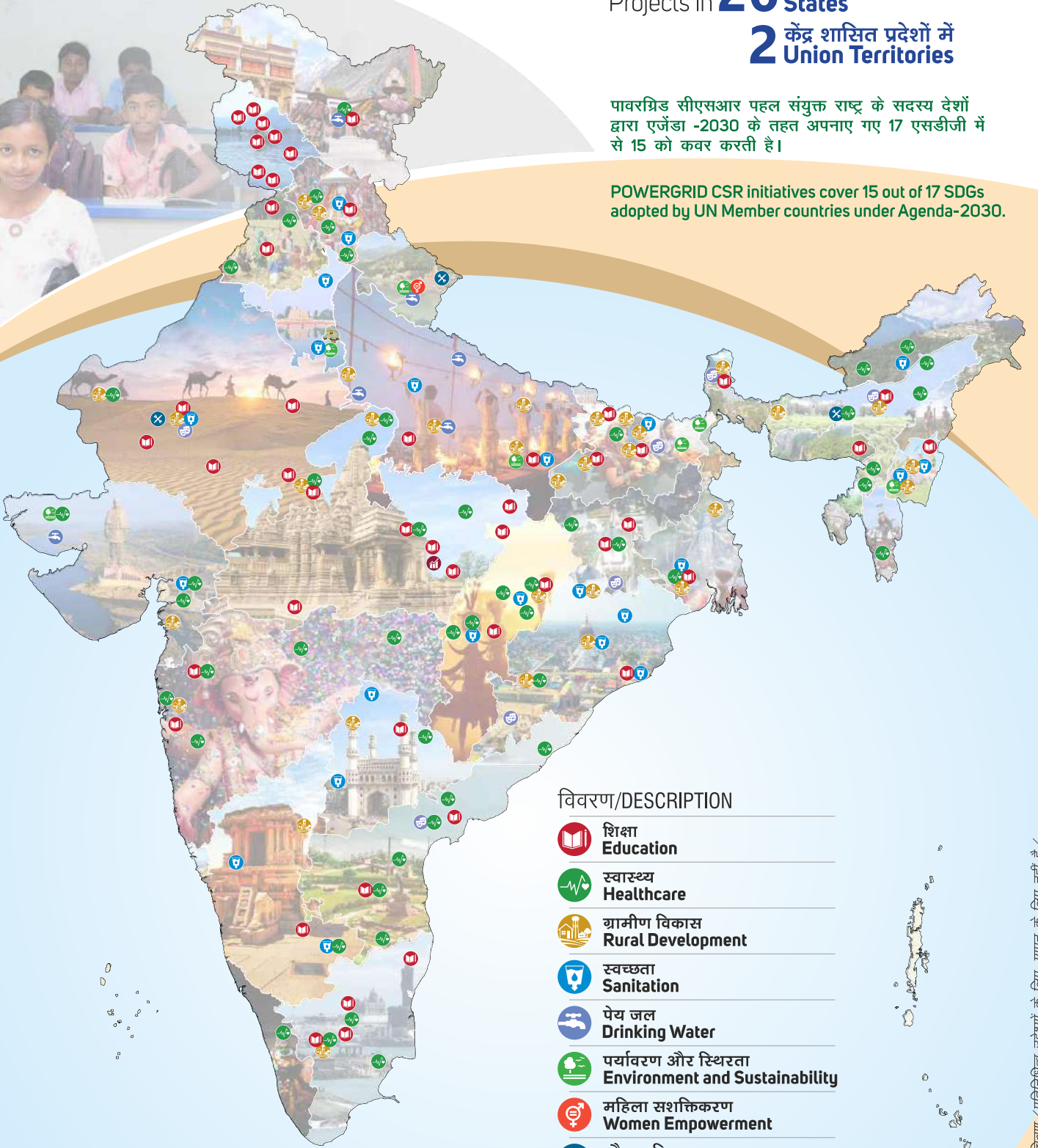
सीएसआर CSR  
वार्षिक Annual  
रिपोर्ट Report  
2021-22



परियोजनाएँ  
Projects in **26** राज्यों  
**2** केंद्र शासित प्रदेशों में  
**2** Union Territories

पावरग्रिड सीएसआर पहल संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों द्वारा एजेंडा -2030 के तहत अपनाए गए 17 एसडीजी में से 15 को कवर करती है।

POWERGRID CSR initiatives cover 15 out of 17 SDGs adopted by UN Member countries under Agenda-2030.



## विवरण/DESCRIPTION

-  शिक्षा  
Education
-  स्वास्थ्य  
Healthcare
-  ग्रामीण विकास  
Rural Development
-  स्वच्छता  
Sanitation
-  पेय जल  
Drinking Water
-  पर्यावरण और स्थिरता  
Environment and Sustainability
-  महिला सशक्तिकरण  
Women Empowerment
-  कौशल विकास  
Skill Development
-  कला और संस्कृति  
Art and Culture



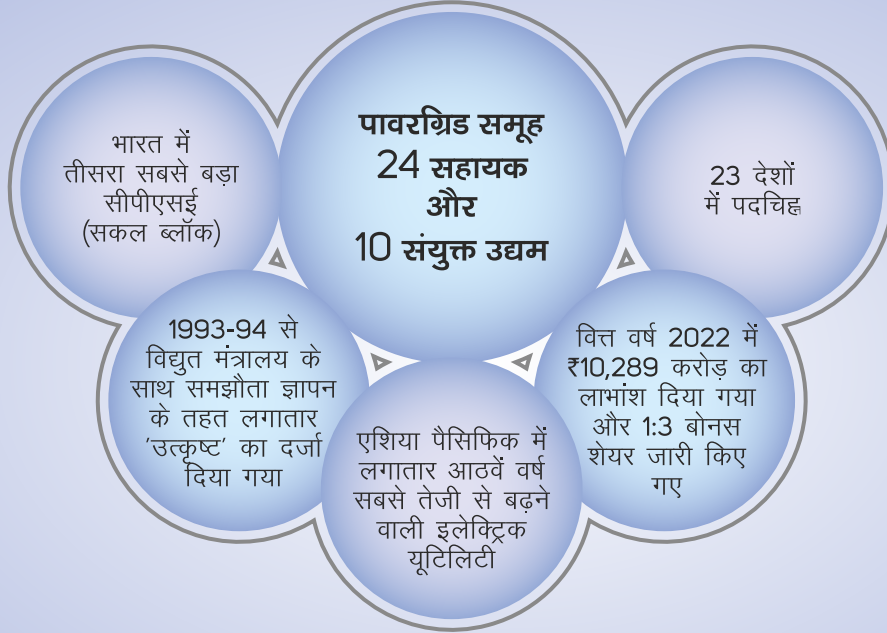
मानचित्र केवल चित्रण/प्रतिनिधित्व उद्देश्यों के लिए, मापन के लिए नहीं है।  
Map not to scale, only for depiction/representation purposes

## विषय सूची/Contents

	> पावरग्रिड सिंहावलोकन POWERGRID, an Overview	2 24
	> सीएसआर विजन और मिशन CSR Vision and Mission	3 25
	> पावरग्रिड सीएसआर सिंहावलोकन POWERGRID's CSR Overview	4 26
	> स्वास्थ्य और पोषण Health & Nutrition	5-7 27-29
	> शिक्षा को बढ़ावा Promoting Education	8-9 30-31
	> महिला सशक्तिकरण Women Empowerment	10-11 32-33
	> पर्यावरण और सतत कृषि Environment & Sustainable Agriculture	12-13 34-35
	> ग्रामीण विकास Rural Development	14-15 36-37
	> पेयजल और स्वच्छता Drinking Water & Sanitation	16-17 38-39
	> खेलकूद कला और संस्कृति Sports, Art and Culture	18 40
	> सामाजिक समावेशन पहल Social Inclusion Initiatives	19 41
	> केस स्टडी Case Studies	20-23 42-44



## पावरग्रिड : "महारत्न" केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम



### क्रेडिट रेटिंग:

- ❖ घरेलू रेटिंग: "AAA" केयर (CARE), क्रिसिल (CRISIL) एवं इक्रा (ICRA) द्वारा।
- ❖ अंतर्राष्ट्रीय: बीएए3 (मूडीज); बीबीबी-एएसएंडपी फिच) – संप्रभु के बराबर

### पारेषण

- 172437 सीकेएम ट्रांसमिशन लाइनें
- 265 सबस्टेशनों के साथ ~474,457 एमवीए की परिवर्तन क्षमता
- 99.83% पर संचरण उपलब्धता
- लगभग 86% अंतर-क्षेत्रीय नेटवर्क का संचालन
- 97,290 मेगावाट की अंतर-क्षेत्रीय क्षमता

### परामर्श

- 02 नए देश मोल्दोवा और गिनी में फुट-प्रिंट
- जेडीए ने पीपीपी फ्रेमवर्क के तहत केन्या में काम करने के लिए हस्ताक्षर किए
- मोल्दोवा (पूर्वी यूरोप) में 'परियोजना प्रबंधन सलाहकार' के रूप में सबसे पसंदीदा बोलीदाता
- नेपाल विद्युत प्राधिकरण के साथ संयुक्त उद्यम के लिए शेयरधारक समझौते पर हस्ताक्षर किए
- 16 नए अंतरराष्ट्रीय और 21 नए घरेलू आदेशों को प्राप्त किया

### दूरसंचार

- विश्वसनीयता के साथ नए व्यापार के अवसर को सक्षम करने के लिए पश्चिम बंगाल, झारखंड, असम और बिहार में ओपीजीडब्ल्यू फाइबर को पट्टे पर देने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए गए
- 74,000 किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क
- 99.99% बैकबोन उपलब्धता।
- 458 POP और 780 POI स्थान

### हमारी हरित प्रतिबद्धता

#### स्मार्ट मीटरिंग

- 1 करोड़ स्मार्ट मीटर के लिए एंड-टू-एंड स्मार्ट मीटरिंग समाधान के लिए खरीद प्रक्रिया शुरू की गई।

#### सौर ऊर्जा उत्पादन

- 200 मेगावाट की स्थापित क्षमता वाले 5 संभावित स्थानों की पहचान की गई
- अन्य स्थान औरंगाबाद, दुर्गापुर, बीना और इटारसी हैं

#### बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएस)

- SECI ने बूट आधार पर ISTS- कनेक्टेड पायलट प्रोजेक्ट स्थापित करने के लिए प्रस्ताव को आमंत्रित किया।
- 1000 MWh (500 मेगावाट \* 2 घंटे) की समझौता भंडारण क्षमता।

#### रूफटॉप सोलर सिस्टम्स

- स्थापित क्षमता – 110 स्थानों पर 7.6 मेगावाट

### अन्य संबंधित गतिविधियाँ

- पावरग्रिड ने अपनी 7 वीं **सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट 2019-21** को ग्लोबल रिपोर्टिंग इनिशिएटिव (जीआरआई) मानकों "कोर" के अनुसार तैयार किया।
- पर्यावरण के अनुकूल प्राकृतिक एस्टर तेल के साथ दुनिया के पहले 400 केवी रिएक्टर को कमीशन किया।



## विजन

एक कॉर्पोरेट बनना जो ग्रामीण विकास, शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य और राष्ट्रीय महत्व के अन्य क्षेत्रों में पहल के माध्यम से समुदायों के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए दीर्घकालिक रणनीति निर्धारित करता है और स्थायी पर्यावरणीय प्रथाओं का पालन करता है



## मिशन

सी.एस.आर. और सस्टेनेबिलिटी नीति को व्यापार नीति के साथ संरेखित करना ताकि पर्यावरणीय और सामाजिक मुद्दों से निपटने में परिहार, न्यूनीकरण और शमन के सिद्धांतों का पालन करते हुए स्थायी तरीके से व्यवसाय का संचालन किया जा सके और हितधारकों के परामर्श से राष्ट्रीय और स्थानीय महत्व की उच्च प्रभाव वाली सामुदायिक विकास परियोजनाओं को शुरू किया जा सके

पावरग्रिड पूरे भारत में अपनी सीएसआर पहलों के माध्यम से लोगों के जीवन को समृद्ध बनाने और दूर-दराज के लोगों को सशक्त बनाने का प्रयास करता है। जब पूरा देश कोविड-19 महामारी की चपेट में था, पावरग्रिड उन पहले कुछ कॉर्पोरेट्स में शामिल था, जो स्वेच्छा से अपने साथी नागरिकों की जान बचाने के लिए आगे आया। पावरग्रिड में हम मानते हैं कि अच्छा स्वास्थ्य और शिक्षा एक ऐसे व्यक्ति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जो किसी भी क्षेत्र में दिए गए अवसर के साथ उत्कृष्टता प्रदान कर सकता है। एक राष्ट्र के रूप में, हमें अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाले संस्थानों को समर्पित करके एक बेहतर कल के निर्माण में अवश्य सफल होना चाहिए। हमारे सामूहिक प्रयासों से पूरे भारत में लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। हम एक संसाधन प्रदाता से एक सुविधाप्रदाता के रूप में उत्तरोत्तर विकसित हुए हैं और अब सकारात्मक बदलाव लाने के लिए एक सक्षमकर्ता बन गए हैं। पावरग्रिड में सीएसआर गतिविधियां इस सोच के साथ की जाती हैं कि आने वाले समय में, अस्तित्व केवल बाजार के सिद्धांतों से ही नहीं बल्कि हमारे द्वारा अर्जित सामाजिक स्वीकृति से भी सुनिश्चित होगा।

उद्यमों, समाज और पारिस्थितिक पर्यावरण के अंतर-संबंधों और वित्तीय लाभ और सामाजिक मूल्य निर्माण के बीच संतुलन पर सीएसआर के प्रभाव में रुचि बढ़ी है। समय के साथ, सामाजिक और पर्यावरणीय समस्याएं तेजी से वित्तीय बन जाती हैं और सफल सीएसआर रणनीतियां कंपनियों को लाभ उठाने और साझा मूल्य में भाग लेने में सक्षम बना सकती हैं, जो वे अपनी सीएसआर पहल के माध्यम से पावरग्रिड बनाते हैं, जो मानव विकास सूचकांक में सुधार करने पर केंद्रित है। जमीनी स्तर पर काम कर रहे विभिन्न सामाजिक परिवर्तन एजेंटों की पेरेंटिंग फोर्स। सीएसआर हस्तक्षेप सामुदायिक स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा में सुधार के माध्यम से व्यावसायिक स्थानों के आसपास के क्षेत्र में समुदाय के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने पर केंद्रित है, और स्थायी आजीविका विकल्प पैदा करने, खेल, कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के अलावा महत्वपूर्ण छोटे नागरिक बुनियादी ढांचे का विकास करता है।

भारत सरकार ने कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत सीएसआर गतिविधि के लिए अपने शुद्ध लाभ का 2% या अधिक योगदान करने के लिए उद्यमों को अनिवार्य कर दिया है।

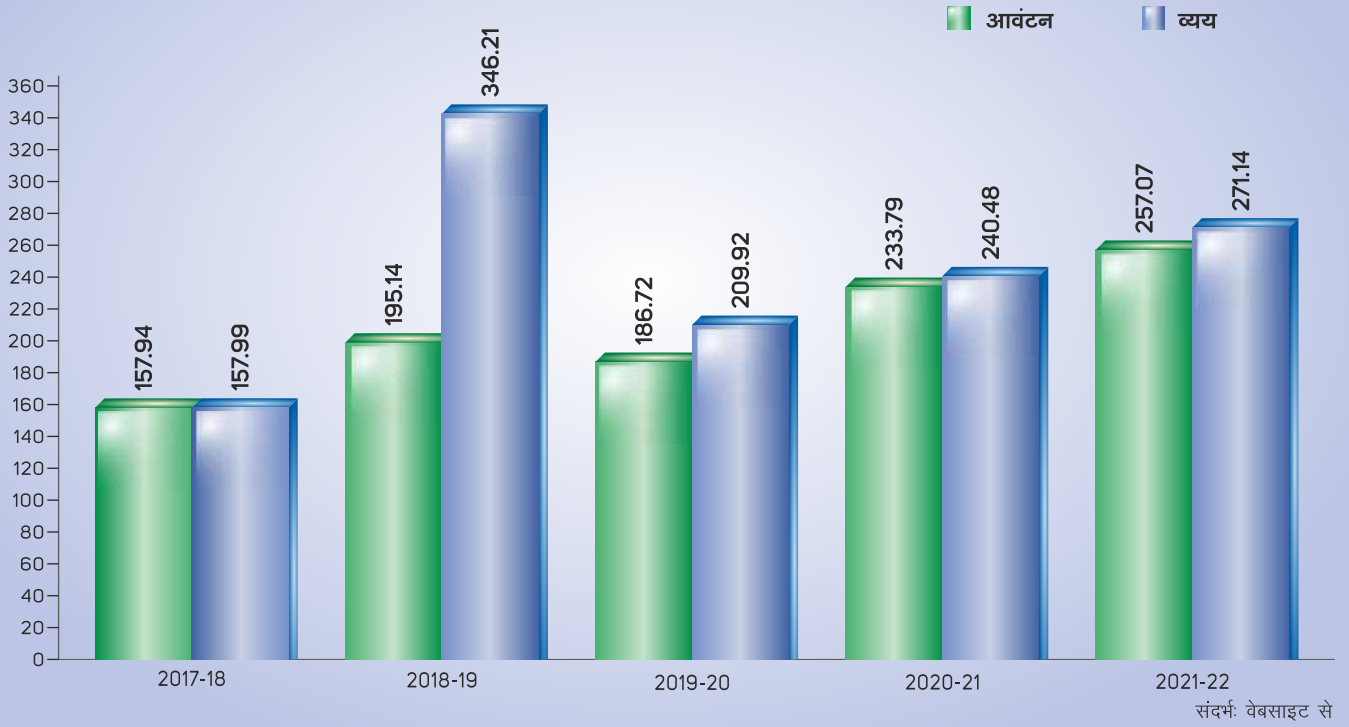
सीएसआर एक स्व-विनियमन व्यवसाय मॉडल है जो एक कंपनी को सामाजिक रूप से स्वयं, उसके हितधारकों और जनता के प्रति जवाबदेह होने में मदद करता है। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, जिसे कॉर्पोरेट नागरिकता भी कहा जाता है, का अभ्यास करके कंपनियां आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरण सहित समाज के सभी पहलुओं पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में जागरूक हो सकती हैं।

पिछले दो दशकों के दौरान, सीएसआर ने मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला विकसित की है। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के बारे में हमारी समझ, तत्कालीन परोपकारी गतिविधियों से आगे बढ़ते हुए, एक प्रतिमान बदलाव के माध्यम से चली गई है। सीएसआर कॉर्पोरेट निर्णय लेने में जनहित का जानबूझकर समावेश है, जो व्यावसायिक गतिविधि के सभी क्षेत्रों में व्याप्त है।

पावरग्रिड में सीएसआर पर एक उभरती हुई समझ है जहां सीएसआर कार्य को सभ्य जीवन बनाने के लिए परिवर्तनकारी क्षमता के रूप में देखा जाता है, और गरीबों और सीमांत पर रहने वाले समुदायों के लिए स्थायी आर्थिक आधार, सभी के लिए एक समान और समावेशी समाज का निर्माण होता है।

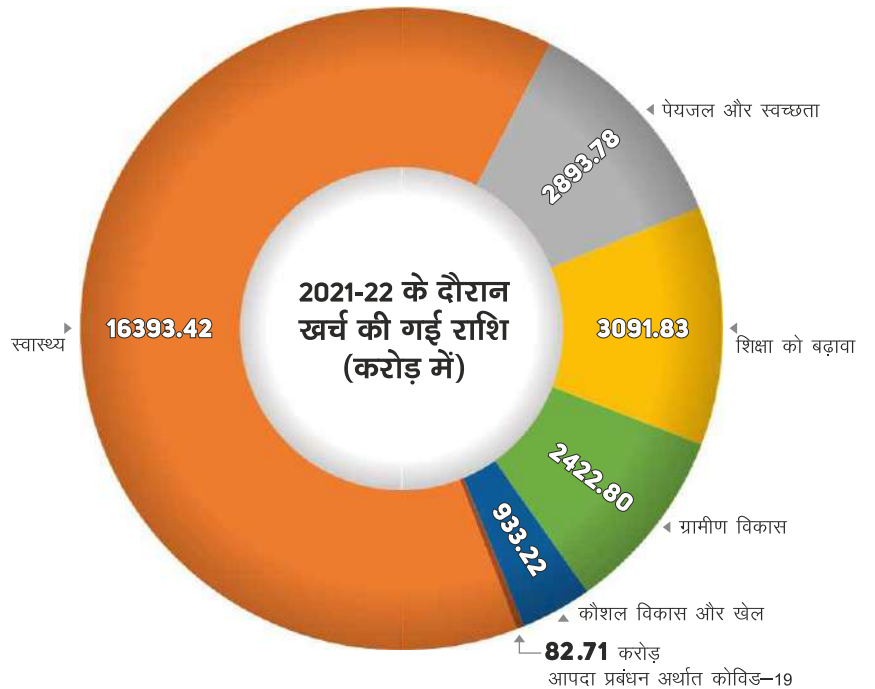
कंपनी का औसत शुद्ध लाभ धारा 135 (5) के अनुसार : **12853.50** करोड़ रुपये  
 अनुमोदित सीएसआर बजट : **257.07** करोड़ रुपये

खर्च की गई वास्तविक राशि : **271.14** करोड़ रुपये  
 स्वीकृत कुल परियोजनाएँ : 152  
 पूरी की गई कुल परियोजनाएँ : 214



थ्रस्ट एरिया के अनुसार सीएसआर पर कुल व्यय:

थ्रस्ट एरिया	2021-22 में स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या
पर्यावरण और स्थिरता	03
स्वास्थ्य	91
पेयजल और स्वच्छता	13
शिक्षा को बढ़ावा	16
ग्रामीण विकास	14
कौशल विकास और खेल	02
आपदा प्रबंधन अर्थात कोविड-19	01
कला और संस्कृति, महिला अधिकारिता और अन्य	12
<b>कुल</b>	<b>152</b>





जम्मू और कश्मीर के दो सरकारी अस्पतालों को कलर डॉपलर अल्ट्रासाउंड मशीनें उपलब्ध कराई गईं

## स्वास्थ्य और पोषण

स्वास्थ्य ही वास्तविक धन है न कि सोने और चांदी के टुकड़े

— महात्मा गांधी

पावरग्रिड के हस्तक्षेप से स्वास्थ्य क्षेत्र में गरीब और सीमांत समुदायों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में सुधार हुआ है। समुदाय के साथ संवाद के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के मूल कारणों की पहचान करके, हमारा लक्ष्य देश भर के ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को लागू करने पर ध्यान देने के साथ स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे को विस्तारित करना और बनाना है।

हमारे सीएसआर कार्य के दायरे में मातृ और प्रजनन स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य और पोषण में सुधार और संचारी रोगों की शीघ्र पहचान और उपचार शामिल है। स्वास्थ्य देखभाल को परंपरागत रूप से लोगों के सामान्य शारीरिक, मानसिक और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण निर्धारक माना जाता है और यह देश की अर्थव्यवस्था, विकास और औद्योगीकरण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।



काकीनाडा में चिकित्सा उपकरण

### मुख्य उपलब्धियाँ :

- जम्मू जिला प्रशासन को 9 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर
- आयुर्वेदिक कॉलेज, विजयवाड़ा और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, नामकल एवं पुगलूर के लिए चिकित्सा उपकरण
- पुगलूर में मल्टी-पैरामीटर मॉनिटर, एक एक्स-रे मशीन और एक ईसीजी मशीन
- जालना, महाराष्ट्र में चिकित्सा उपकरण और सिक्किम में स्वास्थ्य सुविधाएं
- जांजगीर में कोविड-19 उपचार के लिए 02 आईसीयू वेंटीलेटर
- भद्रावती में 100 बिस्तरों वाला कोविड आइसोलेशन केंद्र
- सतना जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुकुंदपुर, नागरिक अस्पताल अमरपाटन, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर और नागरिक अस्पताल मैहर में सीआर प्रणाली के साथ एक्स-रे मशीन और अन्य चिकित्सा उपकरण
- 13 स्थानों पर 22 चिकित्सा शिविर
- हैलाकांडी में 100 बिस्तरों वाले एस के रॉय सिविल अस्पताल की मरम्मत और नवीनीकरण



तेलंगाना में विभिन्न इंडियन रेड क्रॉस ब्लड बैंक को उपकरणों की आपूर्ति के लिए पावरग्रिड ने इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, तेलंगाना के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया

### विभिन्न सीएचसी, पीएचसी और सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति।

अनिवार्य रूप से, भारतीय स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को एक त्रि-स्तरीय संरचना परिभाषित करती है - प्राथमिक, द्वितीय और तृतीय स्वास्थ्य सेवा। उप-केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) के माध्यम से ग्रामीण आबादी को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रदान की जाती है, जबकि माध्यमिक देखभाल जिला और उप-जिला अस्पतालों के माध्यम से प्रदान की जाती है। दूसरी ओर, क्षेत्रीय/केंद्रीय स्तर के संस्थानों या सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों में तृतीय देखभाल प्रदान की जाती है। देश में सबसे गंभीर समस्याओं में से एक चिकित्सा उपकरणों की कमी है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।



चिकित्सा शिविर

पावरग्रिड भारत में एक बड़े भौगोलिक क्षेत्र में मौजूद है। और, इसलिए, पावरग्रिड स्वास्थ्य सेवाओं में अपनी सीएसआर पहल के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के एक बड़े हिस्से में प्रवेश करने में सक्षम है। निम्नलिखित कुछ उल्लेखनीय हस्तक्षेप हैं:

- बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में मोबाइल चिकित्सा इकाईयां
- रायगढ़ के पटेलपाली गांव में सरकारी डिस्पेंसरी के लिए फर्नीचर का सामान
- तमिलनाडु में शंकरंदमपलयम और पुगुलुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पेजराइटर कार्डियोग्राफ और सेमी ऑटो एनालाइजर मशीन
- गुजरात के ग्राम निरोना, नखतराना, भुज



सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए चिकित्सा उपकरण

- पंजाब के करतारपुर और जालंधर जिला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए चिकित्सा उपकरण

### कोल्ड चेन उपकरण की आपूर्ति के माध्यम से कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम में सहायता

कोविड-19 महामारी ने मानव जाति पर कहर बरपाया। प्रतिदिन हजारों लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हुए। इन संक्रमित व्यक्तियों का एक बहुत बड़ा हिस्सा आपातकालीन स्थिति में पहुँचा जिन्हें अस्पताल या घर में ऑक्सीजन सहायता की आवश्यकता पड़ी। मेडिकल ऑक्सीजन की भारी मांग के कारण मांग और





एस के रॉय अस्पताल, हैलाकाडी



चित्रदुर्ग, कर्नाटक में एम्बुलेंस

आपूर्ति के बीच बहुत बड़ा अंतर था। परिणामस्वरूप अस्पताल मरीजों को भर्ती करने की स्थिति में नहीं थे, जिससे समाज में दहशत फैल गई। घर में इलाज करा रहे या आइसोलेशन में रह रहे मरीजों के मामले में भी ऐसा ही था।

स्वास्थ्य केंद्रों को ऑक्सीजन सिलेंडरों से लैस करने के सरकार के रणनीतिक निर्णय के साथ तालमेल बिठाते हुए, पावरग्रिड ने तुरंत गुरुग्राम के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में बॉटलिंग प्लांट के साथ 3X50 NcuM/hr. पीएसए टाइप ऑक्सीजन जनरेटर स्थापित किया। राजस्थान के जैसलमेर में कोविड-19 से निपटने के लिए इसी तरह की

पहल की गई।

कोविड-19 के कारण होने वाली घातकता को ध्यान में रखते हुए टीकाकरण कार्यक्रम शुरू किया गया था और मौजूदा बुनियादी ढांचे के समर्थन के लिए कोल्ड चैन उपकरणों की खरीद और आपूर्ति भी की गई थी। पावरग्रिड ने केन्द्र शासित प्रदेश/राज्य लद्दाख, मिजोरम, पंजाब और सिक्किम में आइस लाइन्ड रेफ्रिजरेटर, डीप फ्रीजर और इंसुलेटेड वैकसीन बैं जैसे कोल्ड चैन उपकरण की आपूर्ति की। यह न केवल फार्मास्यूटिकल्स के लिए आवश्यक सटीक तापमान प्रदान करता है बल्कि यह भी सुनिश्चित करता है कि दवा के उत्पादन के दौरान परिवेश का तापमान बनाए रखा जाए।

### सरकारी अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र के लिए एम्बुलेंस

स्वास्थ्य क्षेत्र में ग्रामीण बुनियादी ढांचे में भारी कमी है। ग्रामीण आबादी को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना महत्वपूर्ण है, लेकिन देश में इसकी अत्यधिक अनदेखी की जाती है। हालाँकि, जब ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य सेवा की बात आती है, तो मजबूत आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को स्थापित करने में काफी चुनौतियाँ बनी रहती हैं।

पावरग्रिड ने एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट इकाई के रूप में बीमार या घायल लोगों को आपातकालीन देखभाल प्रदान करने के उद्देश्य से देश के विभिन्न हिस्सों में उन्नत जीवन समर्थन एम्बुलेंस (एएलएस) की आपूर्ति की है। ग्रामीण रोगियों पर तुरंत ध्यान देना और उन्हें पर्याप्त स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे के साथ एक सक्षम अस्पताल में ले जाना मृत्यु दर को कम करने और संचारी रोगों के प्रसार को रोकने के लिए प्रमुख महत्व रखता है। इन सीएसआर गतिविधियों के अन्तर्गत कवर किए गए कुछ स्थान मुख्य रूप से देश के विभिन्न हिस्सों में फैले धेमाजी, चाचर, हनथियाल, कृष्णा, शिवगंगई, चित्रदुर्ग, वडोदरा, भुज और रोड़ग जिले हैं।



## शिक्षा को बढ़ावा

शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है जिसका उपयोग आप दुनिया को बदलने के लिए कर सकते हैं

— नेल्सन मंडेला

सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए शिक्षा सबसे शक्तिशाली उपकरणों में से एक है और इस प्रकार यह पावरग्रिड की सीएसआर पहलों के लिए एक मुख्य आधार बना हुआ है। भारत में, ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा न केवल गरीबी और निरक्षरता को मिटाने के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि कई अन्य सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक कारणों के लिए भी महत्वपूर्ण है।

चीन के बाद भारत में दुनिया की सबसे बड़ी शिक्षा प्रणाली है। हालांकि, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देश के कुछ हिस्सों में एक चुनौती बनी हुई है। आर्थिक विकास के साथ आने वाले उभरते अवसरों तक पहुँचने के लिए शिक्षा तक पहुँच महत्वपूर्ण है।

पावरग्रिड सरकारी स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को स्थापित करने और

ढांचागत सहायता प्रदान करने के माध्यम से सर्वोत्तम संभव शिक्षा प्रदान करने में सहायक रहा है। युवाओं को जीवन के संघर्षों के लिए तैयार करने के लिए शिक्षा की आवश्यकता है।

### स्मार्ट क्लासरूम

शिक्षक दरवाजा खोल सकते हैं, लेकिन आपको इसमें स्वयं प्रवेश करना होगा

— चीनी कहावत

पावरग्रिड ने मुख्य रूप से देश के ग्रामीण इलाकों में अच्छी शिक्षा के लिए स्थायी बुनियादी ढांचे के विकास के लिए कई पहल की हैं। इनमें से एक प्रयास बच्चों को डिजिटल दुनिया का सामना करने और फलने-फूलने के लिए सशक्त बनाना है। वंचित और गरीब छात्रों के लिए सरकारी स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम की पहल इन बच्चों को



### मुख्य उपलब्धियाँ :

- जम्मू, राजस्थान और हरियाणा के विभिन्न सरकारी स्कूलों में 608+ स्मार्ट कक्षाओं की स्थापना
- शेरगढ़, जोधपुर में आईटीआई की स्थापना
- मीरगंज, अमलपुरा और रांची जिलों के सरकारी स्कूलों में 50+ आरओ वाटर प्लांट और 665+ स्कूल बेंच प्रदान किए
- धनौरा और खसो गांवों में स्थित सरकारी स्कूलों के लिए दो स्कूल बसें उपलब्ध कराई गई हैं।
- हिंसा से असम, मणिपुर और छत्तीसगढ़ के छात्रों को प्रभावित 1632+ बच्चों की शिक्षा के लिए NFCH को वित्तीय सहायता प्रदान की गई
- गढ़-बेगुनियापाड़ा गांव के सरकारी स्कूल में कंप्यूटर लैब का निर्माण और रायगढ़ गांव के पास कंप्यूटर हार्डवेयर और सहायक उपकरण की व्यवस्था
- पावरग्रिड ने मोगा, बीड़, सांबा, करूर, तिरुपुर, कोटा और गुरदासपुर सहित विभिन्न जिलों के विभिन्न सरकारी स्कूलों में 47 से अधिक कक्षाओं का निर्माण किया है
- बिहार, छत्तीसगढ़, मेघालय, जम्मू-कश्मीर, सिक्किम, राजस्थान, आंध्र प्रदेश और ओडिशा सहित विभिन्न राज्यों में बुनियादी ढांचे के प्रबंधन और विभिन्न सरकारी स्कूलों के नवीनीकरण के लिए धनराशि उपलब्ध कराना



कोटा में स्कूली बुनियादी ढांचा

अधिक विशेषाधिकार प्राप्त बच्चों के साथ प्रतिस्पर्धा करने की दिशा में एक कदम है।

यह छात्रों को चॉक-ब्लैक बोर्ड संस्कृति से बाहर लाने और 21वीं सदी में शिक्षा के अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ तालमेल बिठाने की दिशा में एक कदम आगे है। इस शिक्षा कार्यक्रम के माध्यम से, हम छात्रों को उनके जीवन की शुरुआत में सहायता करते हैं, उनके शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार करते हैं। कुछ उल्लेखनीय स्कूल हैं जम्मू-कश्मीर में आर्मी गुडविल स्कूल, तिरुपुर (टीएन) में इंटरएक्टिव प्ले स्पेस, मंडला (गुजरात) में जगन्नाथ एक्सीलेंस स्कूल और हरियाणा के 12 जिलों में 480 क्लासरूम।

**असम, मणिपुर और छत्तीसगढ़ के हिंसा प्रभावित छात्रों की शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता**

नेशनल फाउंडेशन ऑफ कम्युनल हार्मनी

(एनएफसीएच) के सहयोग से पावरग्रिड 2021-22 के दौरान एक वर्ष की अवधि के लिए असम, मणिपुर और छत्तीसगढ़ राज्यों में (परियोजना "सहायता" के तहत) 1632 छात्रों की शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। जातीय, सांप्रदायिक और अन्य प्रकार की सामाजिक हिंसा के कारण माता-पिता या परिवार में मुख्य रोटी कमाने वाले की मृत्यु या स्थायी अक्षमता के कारण बच्चे अनाथ या बेसहारा हो जाते हैं।

यह वार्षिक आधार पर बच्चों को प्रदान की जाने वाली नियमित वित्तीय सहायता है। परियोजना का उद्देश्य सतत विकास के 16वें लक्ष्य को प्राप्त करना है जो न्याय, शांतिपूर्ण और समावेशी समाज को बढ़ावा देने पर जोर देता है। संघर्ष, असुरक्षा, कमजोर संस्था और न्याय तक सीमित पहुंच सतत विकास के लिए एक बड़ा खतरा बना हुआ है। इस परियोजना के माध्यम से हम शांतिपूर्ण समाज की कामना करते हैं क्योंकि संघर्ष वाले क्षेत्रों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से खुद को विकसित करने में सहायता मिलती है।

### सरकारी विद्यालयों में शैक्षणिक अधोसंरचना का निर्माण

भारत में सतत ग्रामीण विकास को प्राप्त करने के लिए, मानव पूंजी में निवेश अनिवार्य है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ छात्रों और शिक्षण कर्मचारियों के व्यापक हित में भारत के दूरदराज के हिस्सों तक पहुंचना इस परियोजना का लक्ष्य है। पावरग्रिड ने नई कक्षाओं, नए शौचालय ब्लॉकों के निर्माण, लड़कियों और लड़कों के छात्रों और शिक्षकों के लिए अलग-अलग शौचालयों सहित कई पहल की हैं। स्कूलों में पीने के पानी के स्टेशन और स्मार्ट क्लासरूम हैं। प्रत्येक कक्षा में आवश्यक फर्नीचर जैसे छात्रों के लिए डेस्क और बेंच, शिक्षकों के लिए मेज और कुर्सी, एक कंप्यूटर कक्ष और ऐसी अन्य सुविधाएं हैं।

सरकारी स्कूलों में बेहतर और आधुनिक बुनियादी सुविधाओं के साथ, वंचित वर्गों के बच्चे कठोर शैक्षणिक पाठ्यक्रम का सामना करने में सक्षम हैं। स्कूल छोड़ने वालों की संख्या में काफी कमी आई है और वे अब आत्मविश्वास से जीवन की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हैं। इस पहल के लाभार्थी मुख्य रूप से धनोरा, मोगा, सांबा, बस्सी, करूर, कोटा और पठानकोट में हैं।



## सतत आजीविका और महिला सशक्तिकरण

मैं आपसे वादा कर सकता हूँ कि सूचित और शिक्षित महिलाओं के साथ मिलकर काम करने से परित्यक्त ग्रह में शांति और समृद्धि आ सकती है – इसाबेल अलेंदे

लंबे समय से महिलाओं ने घरों से बाहर कदम रखा है और समाज के लगभग हर क्षेत्र में प्रतिष्ठित पदों और दर्जा को प्राप्त किया है, फिर चाहे वह शिक्षा हो, कॉर्पोरेट जगत या राजनीति। लेकिन यह असंगत है, भारत में महिलाओं को सामाजिक संरचनाओं के कारण शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी अधिकांश बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच से वंचित रखा गया है। शिक्षा, महिलाओं को यह चुनने के लिए सशक्त बनाने का सबसे अच्छा साधन है कि उनकी भलाई और समाज के समग्र कल्याण के लिए

सबसे अच्छा क्या है।

महिलाओं के लिए शिक्षा नौकरी या व्यवसाय के माध्यम से वित्तीय स्थिरता की ओर ले जाती है, जो आय का एक निरंतर स्रोत सुनिश्चित करती है। यह देखा गया है कि आर्थिक रूप से स्थिर महिलाएं अधिक आत्मविश्वासी होती हैं और इसलिए उनमें निर्णय लेने की बेहतर क्षमता होती है, जिससे वे सशक्त होती हैं। वे अभी भी वंचित हैं और समाज में आवाज खोजने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में।



सीआईपीईटी, सोनीपत, हरियाणा में कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम

### मुख्य उपलब्धियाँ :

- उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में 19 से अधिक सिलाई मशीनों का वितरण तथा महिलाओं और लड़कियों के लिए छह महीने का सिलाई प्रशिक्षण प्रदान किया
- सीईडीएमएपी के माध्यम से दमोह जिले के 275 से अधिक बेरोजगार युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है
- वर्ष 2021-22 में 975 प्रशिक्षुओं के लिए कौशल-विकास कार्यक्रम

### बेरोजगार महिलाओं के लिए सिलाई और कढ़ाई प्रशिक्षण

महिलाओं को सशक्त बनाने और उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति में सुधार करने के लिए पावरग्रिड ने महिलाओं को सिलाई मशीन और सिलाई पर पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान किया है। महिला सशक्तिकरण कार्यक्रमों



पीएल मानेसर में पावरग्रिड प्रशिक्षु



गुवाहाटी स्थित कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र

के एक भाग के रूप में उत्तराखंड में मनगाँव और हरियाणा में गुरुग्राम जैसे कई स्थानों पर प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किये गए हैं।

इस परियोजना से एक प्रशिक्षित महिला, गृहिणी के रूप में अपनी भूमिका को पूरा करते हुए सिलाई की कमाई के माध्यम से अपने परिवार की आय में योगदान देती है। इसके अलावा, वह बच्चों की शिक्षा और उनके परिवार के लिए राशन सहित अन्य जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हैं। ऐसे परिवारों में बच्चों में साक्षरता बढ़ी है।

### 2020-21 के लिए प्रशिक्षुता कार्यक्रम

पावरग्रिड अपरेंटिस अधिनियम 1961 की शर्तों के अनुसार हर साल प्रशिक्षुओं को नियुक्त करता रहा है। वित्तीय वर्ष 2019-20 तक कंपनी की जनशक्ति शक्ति का न्यूनतम आवश्यक 2.5% सेवन किया गया था। नियम 7 (बी), उप-नियम (3) के अनुपालन में, वित्त वर्ष 2020-21 से, प्रशिक्षुओं की भर्ती को कर्मचारी संख्या के 10% तक बढ़ा दिया गया है। 2021-22 में पावरग्रिड ने कार्यक्रम के तहत 975 प्रशिक्षुओं को नियुक्त किया। पावरग्रिड स्वतंत्र रूप से और प्रभावी ढंग से नौकरियों को संभालने की उचित क्षमता प्रदान करता है, और इस तरह सिविल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, एचआर, सीएसआर, कानून और कार्यालय प्रबंधन आदि जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षुओं की रोजगार क्षमता में सुधार करता है।

### असम इंजीनियरिंग संस्थान में कौशल विकास केंद्र भवन का निर्माण

क्षेत्र की आर्थिक क्षमता का एहसास करने के लिए, जनसांख्यिकीय लाभों और मापदंडों का उपयोग करना अनिवार्य है जिससे बाजार से जुड़े कौशल विकास को बढ़ावा मिलेगा। असम इंजीनियरिंग संस्थान, गुवाहाटी, असम में एक प्रमुख तकनीकी संस्थान है और गुवाहाटी में पावरग्रिड कार्यालय से केवल 6.5 किलोमीटर दूरी पर है। संस्थान की स्थापना 1948 में ISO 9002 प्रमाणन के साथ हुई थी, जिसका संबद्ध राज्य तकनीकी शिक्षा परिषद से है। संस्थान विकलांग व्यक्तियों के लिए विशेष डिप्लोमा पाठ्यक्रम सहित भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं का संचालन करता है।

पावरग्रिड द्वारा कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना बेरोजगार युवाओं को विभिन्न रोजगार, व्यावसायिक और अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए की गई है, जिसमें राष्ट्र निर्माण में भाग लेने के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व और कौशल के विकास के अवसर भी शामिल हैं।



खेतों की मेड़ पर अरहर दलहन की बुआई करती महिला किसान

## पर्यावरण और सतत कृषि

यदि हम पर्यावरण की गुणवत्ता में सुधार करने जा रहे हैं तो आगे बढ़ने का एकमात्र तरीका सभी को शामिल करना है

— ब्रिघम यंग

पर्यावरण संरक्षण बनाए रखते हुए पर्यावरण की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है। पर्यावरण संरक्षण की मुख्य विधियाँ पुनर्चक्रण, पुनः उपयोग कम कर रहे हैं। हालाँकि, कुछ अन्य तरीके, जैसे कि हरित ऊर्जा उत्पादन, हरित परिवहन विकास और पर्यावरण के अनुकूल औद्योगीकरण भी पर्यावरण संरक्षण में योगदान कर सकते हैं, केवल निवासियों ही नहीं बल्कि व्यवसायों और उद्योगों को भी पर्यावरण में सुधार के लिए अपनी मूल भूमिका निभानी चाहिए।

सरकारें नीतियाँ बना रही हैं और अन्य देशों के साथ समझौते कर रही हैं ताकि रणनीतियाँ बनाई जा सकें और प्रौद्योगिकियों को साझा किया जा सके जो पर्यावरण की रक्षा कर सकें। पावरग्रिड मानव गतिविधियों से पर्यावरण की सुरक्षा के लिए योगदान देता है।

### बेहतर कल के लिए सोलर लाइट की स्थापना

पावरग्रिड द्वारा सोलर स्ट्रीट लाइट की स्थापना से सूर्यास्त के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में अपर्याप्त प्रकाश की समस्या को दूर



मूंगफली की छोटी

### मुख्य उपलब्धियाँ :

- पूर्णिया, अस्कीहाल और भदोही में 635 से अधिक सोलर एलईडी स्ट्रीट लाइटों की स्थापना
- प्रवासी पक्षी डेमोसेले क्रेन के सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए एडीएम फलौदी, राजस्थान को पशु एंबुलेंस उपलब्ध कराना
- बरहमसिया में, महानंदा नदी के दाहिने किनारे पर, एक बोल्टर पुश्ता बनाया गया है और उसकी मरम्मत की गई है
- फलों के बाग मणिपुर के साइब्लू जिले में बनाए गए हैं
- गुरुग्राम और हरियाणा के क्षेत्रों में 1000+ पेड़ लगाना
- राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण जागरूकता अभियान के तहत राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता
- कोटेश्वर गांव में जीयूएल (तालाब-जलाशय) का निर्माण
- ओडिशा के अंगुल जिले के पोकोंडा और मंदारबहल गांवों में तालाबों की खुदाई/नवीकरण
- लगभग 1500 आबादी को उनकी दैनिक पानी की जरूरतों के लिए सहायता प्रदान कर रहा है



महानन्दा नदी पर बोल्टर पुश्ता



जम्मू में वृक्षारोपण

पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में नहर की पुनः उत्खनन

करने में मदद मिली है। उम्मीद है। हमारा मानना है कि सोलर लाइटों की स्थापना से दुर्घटनाओं और अन्य अप्रत्याशित घटनाओं की कम होने की संभावना है और ग्रामीण जनता को भयमुक्त वातावरण प्रदान करेगा। साथ ही यह पर्यावरण के अनुकूल है और पर्यावरण के साथ हस्तक्षेप रहित है। पावरग्रिड द्वारा सौर स्ट्रीट लाइट स्थापित करने वाले कुछ स्थान पूर्णिया और आरा (बिहार), हिमाचल प्रदेश के विभिन्न जिले, भदोई, मथुरा, चंदौली और वाराणसी (उत्तर प्रदेश), रायचूर (कर्नाटक) और दमोह (मध्य प्रदेश) हैं।

### महानन्दा नदी के क्षतिग्रस्त दाहिने किनारे का निर्माण और रखरखाव

किशनगंज के कोचाधाम ब्लॉक में बरहमसिया गांव मानसून बाढ़ के दौरान सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र है। किशनगंज के कोचाधाम ब्लॉक के बरहमसिया गांव में महानन्दा नदी के दाहिने किनारे पर बोल्टर रिवेटमेंट का प्रावधान विशेष रूप से गांव और पूरे किशनगंज जिले के लिए एक प्रभावी बाढ़ नियंत्रण उपाय बन रहा है।

### फ्रूट गार्डन, साईब्लू, मणिपुर

सियालबु कम्युनिटी फ्रूट ट्री गार्डन में पावरग्रिड द्वारा सफल सीएसआर गतिविधि के साथ, सामुदायिक उद्यान इस गांव के लिए एक मूल्यवान संपत्ति साबित हो रहा है, जिसे जीवन-निर्वाह को कम करने के लिए सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया है। साथ ही पर्यावरण की रक्षा भी करता है और आसपास के ग्रामीण सौंदर्य में योगदान देता है।

### फाफरान/सौतियाल गांव कोटेश्वर, उत्तराखंड के लिए गुल (तालाब-जल निकाय) का निर्माण

इस पावरग्रिड सीएसआर गतिविधि से, स्थानीय लोग दीर्घकालिक लाभ प्राप्त कर रहे हैं क्योंकि गुल का निर्माण उन्हें पीने और सिंचाई के लिए पानी की निर्बाध आपूर्ति प्रदान कर रहा है।

### अंगुल जिला में तालाब की खुदाई

ओडिशा के अंगुल जिले के अथमालिक ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले पोकोना और मंदरबहाल गांवों की लगभग 1500 आबादी अपनी दैनिक जरूरतों के लिए पानी की भारी कमी से जूझ रही है। पावरग्रिड ने मंदरबहाल गांव में एक तालाब की खुदाई की और पोकोंडा गांव में एक तालाब का जीर्णोद्धार किया। इन गांवों में ज्यादातर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लोग रहते हैं और उनके पास पानी का कोई अन्य स्रोत नहीं था। पीने, नहाने, बागवानी और खेती के लिए पानी की उनकी दैनिक जरूरतों को मुख्य रूप से इन्हीं तालाबों से पूरा किया जाता है।

2 ZERO HUNGER



मुखीगुडा गाँव, कालाहांडी में न्यूट्री गार्डन

## ग्रामीण विकास

भारत की सच्ची प्रगति उसके गांवों के विकास में निहित है

— कुलमीत बावा

ग्रामीण विकास की बहुत अनदेखी और उपेक्षा की जाती है। कॉरपोरेट जगत शहरी विकास पर ध्यान केंद्रित करता है जिससे गांवों से कामकाजी आबादी का पलायन होता है। जिसके चलते ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गिरावट आ जाती है। गिरती ग्रामीण अर्थव्यवस्था को रोकने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों का आर्थिक और सामाजिक उत्थान आवश्यक है। ग्रामीण विकास का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है।

पावरग्रिड ने देश के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले ग्रामीण लोगों के सामान्य कल्याण के लिए कई गतिविधियां शुरू

की हैं। पावरग्रिड द्वारा ग्रामीण सड़कों का निर्माण, सोलर एलईडी लाइटिंग, समुदाय और मैरिज हॉल, पार्को, स्कूल, स्वास्थ्य और खेल के बुनियादी ढांचे, स्वच्छता, पेयजल सुविधाओं, पानी के संरक्षण के नवीनीकरण जैसी पहल की गई हैं।

पावरग्रिड ने विशेष रूप से आदिवासी क्षेत्रों में किसानों की मदद के लिए कार्यक्रमों की शुरुआत की है, जिसमें कृषि, मुर्गी पालन, पशुपालन और फल देने वाले पेड़ों के रोपण का प्रशिक्षण दिया गया है ताकि गांव की अर्थव्यवस्था आत्मनिर्भरता और स्थिरता के लिए पुरानी लचीलापन हासिल कर सके।

### मुख्य उपलब्धियाँ :

- सूरत, अंगुल, रायगढ़ और नवी मुंबई सहित कई जिलों में 15+ सामुदायिक केंद्र बनाए जा रहे हैं
- मथुरा, उत्तर प्रदेश में 425 सोलर स्ट्रीट लाइटों की स्थापना
- कैमूर, गंगटोक, सीतामढ़ी और इफाल पश्चिम जिलों में गांवों को जोड़ने वाली सड़कों का सुधार और निर्माण किया जा रहा है
- तेलंगाना के निजामाबाद जिले के मित्तपल्ली थंडा में शमशान घाट का निर्माण

### कालाहांडी जिले में एकीकृत वाटरशेड प्रबंधन के माध्यम से ग्रामीण आजीविका में सुधार

पावरग्रिड ने ओडिशा के कालाहांडी जिले में जयपटना ब्लॉक के 10 गांवों में कृषि उत्पादकता और आजीविका में सुधार और एकीकृत वाटरशेड प्रबंधन के माध्यम से जलवायु लचीलापन बनाने के लिए एक स्केलेबल लर्निंग साइट विकसित करने के लिए इंटरनेशनल क्रॉप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर द सेमी-एरिड ट्रॉपिक्स





मुर्गी का टीकाकरण

(आईसीआरआईएसएटी) को शामिल किया है। वाटरशेड कार्यक्रम औपचारिक रूप से 30 अक्टूबर, 2020 को शुरू किया गया था, 2021-22 के दौरान प्रमुख फोकस इस पर रहा है:

- वर्षा जल संचयन भंडारों का निर्माण।
- अन्य उत्पादकता और आजीविका हस्तक्षेपों के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन हस्तक्षेपों के एक मॉडल के रूप में मुखिगुडा गांव में एक क्लस्टर विकसित किया गया था।
- पहाड़ियों से उत्पन्न अपवाह का प्रबंधन करने के लिए एक डायवर्जन बांध का निर्माण किया गया है। बड़े धान के खेतों को असमान जल निकासी भंडार के साथ ढलान के पार मिट्टी के खेत की मेड़ लगाकर छोटे कीटों में विभाजित किया गया है। फील्ड बंडिंग का क्रॉस सेक्शन 0.8 से 1.5 वर्गमीटर के बीच भिन्न होता है। किसानों को फसल की पानी की आवश्यकता के अनुसार जल स्तर बनाए रखने में मदद करने के लिए बाइपेड आउटलेट प्रदान किए गए हैं।



मुखिगुडा गांव में वाटरशेड प्रबंधन

- 380 किसानों के खेतों में सूक्ष्म और माध्यमिक पोषक तत्वों के अनुप्रयोग प्रदर्शनों के माध्यम से मृदा स्वास्थ्य कार्याकल्प किया गया।
- 580 किसानों के खेतों में पोषक तत्वों से भरपूर बाजरे की किस्मों (फिंगर मिलेट, फॉक्सटेल मिलेट और पर्ल मिलेट) और मूंगफली, अरहर, ज्वार और चना की उन्नत किस्मों का प्रदर्शन, परिचय और मूल्यांकन किया गया।

#### ग्रामीण सड़कों का निर्माण

परियोजना का उद्देश्य बेहतर ग्रामीण संपर्क विकसित करना है जो बाजार पहुंच, आसान आवागमन में मदद करेगा, जिससे स्थानीय विकास, सामुदायिक विकास और जीवन स्तर में वृद्धि होगी।



पुरेमबन माछा लीकाई, इफाल में ग्रामीण सड़क का निर्माण

सीएसआर हस्तक्षेप के तहत गांवों में पावरग्रिड द्वारा सड़क निर्माण की काफी सराहना की गई है, बारिश के मौसम में गांव की लोक सड़क इन ग्रामीणों के लोगों की जीवन रेखा बन गई है। ऊबड़-खाबड़ और फिसलन भरी सड़कें, जिससे बुजुर्गों और बच्चों को असुविधा होती है, किसानों को अपनी फसल को घर और बाजार तक ले जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा, उनकी जगह पक्की सड़कें बन गई हैं।

सड़क किनारे दुकानें खुल गई हैं, जिससे ग्रामीण बाजारों में रौनक बढ़ गई है। पावरग्रिड द्वारा कुछ ऐसे स्थान जहां हाल ही में इस तरह की पहल की है, सुंदरगढ़ (ओडिशा), जलीपूल गंगटोक (सिक्किम), भोजपुर और परमानंदपुर, कैमूर (मधुआ) (बिहार), पश्चिम मेदिनीपुर, मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल) हैं।



## पेयजल और स्वच्छता

बिना इस बात की परवाह किए कि कोई जगह अमीर है या गरीब, हर किसी को स्वच्छ हवा और साफ पानी का मौका मिलना चाहिए

— बराक ओबामा

### स्वच्छता पखवाड़ा

स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित करने व स्वास्थ्य और सफाई के लिए एक सक्षम वातावरण बनाने के उद्देश्य से, देश भर में पावरग्रिड ने अपने सभी प्रतिष्ठानों में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया।

परिसर में और उसके आसपास सफाई गतिविधियों का प्रदर्शन, वीडियो प्रसारण, नुककड़ नाटक, रैलियां और सार्वजनिक अभियान जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया है, जहां कर्मचारियों

ने पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए अपने प्रयासों में सक्रिय रूप से योगदान दिया है।

### सभी के लिए पीने योग्य पानी

ग्रामीण जलापूर्ति परंपरागत रूप से शहरी जल आपूर्ति से अधिक प्रभावित रही है। अब इसे बदलना होगा, क्योंकि सतत विकास लक्ष्य सभी के लिए पानी का आह्वान करते हैं। चूंकि अधिकांश सतही जल स्रोत, आम तौर पर, ग्रामीण गाँवों से काफी दूरी पर स्थित होते हैं,

### मुख्य उपलब्धियाँ :

- भारतीय रेलवे के स्टेशनों पर 10,000+ कूड़ेदानों की स्थापना
- हिमाचल प्रदेश के 13 विधानसभा क्षेत्रों में 13,000 दिवन-बिन कूड़ेदानों की स्थापना
- केवडिया के व्यापक विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना
- गुरुग्राम में हरित पट्टी की स्थापना और रखरखाव
- उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में 630+ हैंडपंपों का निर्माण
- अकेले तेलंगाना में, विभिन्न जनजातीय क्षेत्रों में 2040 से अधिक शौचालय बनाए जा रहे हैं
- शिमला, कुल्लू, वडोदरा और ईटानगर जिलों में एक इलेक्ट्रिक रोड स्वीपर और तीन स्वीपर ट्रक वितरित करें
- भुज, सुंदरगढ़ और लेह जिलों में एक सबमर्सिबल पंप, पाइप वाटर सिस्टम और आरओ प्लांट की स्थापना
- प्रखंड विकास अधिकारी गरबेट्टा कार्यालय में छह या इससे अधिक वाटर कूलर लगाये गये हैं



बढ़ीपाड़ा में गांव के तालाब की सफाई



इसलिए कुछ मामलों को छोड़कर बिखरे और अलग-थलग पड़े ग्रामीण क्षेत्रों में सतही जल की आपूर्ति करना संभव नहीं है। इसलिए, हमारे अधिकांश गाँव भूजल आपूर्ति पर निर्भर हैं, जो कुओं और नलकूपों के माध्यम से निकाले जाते हैं।

पावरग्रिड द्वारा किए गए अधिकांश कार्य मेदिनीपुर (पश्चिम बंगाल), तुमकुर (कर्नाटक), भुज (गुजरात), रांची (झारखंड) और पांडियाबिल्ली (अंगुल) में अलवणीकरण आरओ, पानी की टंकी और जल शोधक की स्थापना है। यह कार्य ग्रामीण परिवारों, स्कूली बच्चों, कठोर स्थानों और सीमावर्ती क्षेत्रों में

तैनात रक्षा कर्मियों से लेकर प्रत्येक व्यक्ति को पीने योग्य पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया है।

#### स्वच्छ भारत के लिए शौचालयों का निर्माण

स्कूलों में शौचालय और पानी बुनियादी जरूरतें हैं। हालाँकि, ग्रामीण भारत के कई स्कूल इन मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित हैं। नतीजतन, स्कूल में बच्चों के बीच अनियमित उपस्थिति और पढ़ाई छोड़ना बहुत आम हैं, जिससे उनकी शिक्षा प्रभावित होती है।

शौचालय की कमी के कारण स्कूली बच्चे शौच के लिए खुले क्षेत्रों का उपयोग करते हैं जो उनकी गोपनीयता और सुरक्षा का उल्लंघन करता है और साथ ही स्वच्छ वातावरण को

नुकसान पहुंचाता है और वातावरण प्रदूषित करता है। सीएसआर हस्तक्षेप के साथ पावरग्रिड ने शौचालयों का निर्माण किया है जिससे स्कूलों में स्वस्थ और स्वच्छ वातावरण की सुविधा मिलती है। इससे स्कूली बच्चों के शिक्षा स्तर में सुधार हुआ है। कुछ ऐसे स्थान जहां इस तरह का काम किया जाता है, वे पश्चिम बंगाल में मेदिनीपुर और दुर्गापुर हैं।



हज़ारीबाग में महिलाओं के लिए खेल का मैदान



## खेलकूद को बढ़ावा कला और संस्कृति

हमें छात्रों और माता-पिता का जातीय और सांस्कृतिक विविधता को संजोने और संरक्षित करने में मदद करने की आवश्यकता है जो इस समुदाय और इस राष्ट्र को पोषण और मजबूत करती है

— सीजर चावेज़

### जोधपुर जिला के मंडोर शहर में दो स्टेडियमों का जीर्णोद्धार

मंडोर एक प्राचीन और ऐतिहासिक शहर है जो जोधपुर शहर से 8 किलोमीटर उत्तर में और पावरग्रिड जोधपुर कार्यालय से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित है। इसमें किला, बगीचे और संग्रहालय जैसे कई स्मारक हैं। एक विशाल, अब खंडहर हो चुका रावण मंदिर, इस शहर का मुख्य आकर्षण है, जिसका इतिहास रामायण से जुड़ा है। यह रावण की पत्नी मंदोदरी का मूल स्थान माना जाता है। यहां के कुछ स्थानीय ब्राह्मणों के बीच रावण को दामाद की तरह माना जाता है।

मंडोर में एक आउटडोर और एक इनडोर स्टेडियम भी है। अमृतलाल गहलोट स्टेडियम एक आउटडोर स्टेडियम है जिसमें फुटबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल और एथलेटिक्स आदि जैसी खेल सुविधाएं हैं और चैनपुरा इंडोर स्टेडियम में इनडोर खेलों जैसे बैडमिंटन, टेबल टेनिस और जिमनास्टिक आदि की सुविधाएं हैं।

स्टेडियम बहुत खराब हालत में थे और उन्हें खेलों के लायक बनाने के लिए मरम्मत और जीर्णोद्धार की अति आवश्यकता थी। इनडोर स्टेडियम की संरचना और ट्रेस-प्रेम वाली छत में गैप और छेद थे, जिनके माध्यम से नमी और बारिश का पानी स्टेडियम में प्रवेश करता था। पक्षियों ने भी घोंसला बना लिया था। समुचित वातायन की कोई गुंजाइश नहीं थी। हालांकि, आउटडोर स्टेडियम का उपयोग पहले विभिन्न आउटडोर खेलों के लिए किया जाता था, लेकिन वास्तव में इसमें कोई सुविधा नहीं थी। खिलाड़ी और युवा वास्तव में इन स्टेडियमों का व्यावहारिक उपयोग नहीं कर पा रहे थे।

जोधपुर जिला कलेक्टर के अनुरोध पर, पावरग्रिड ने अपनी सीएसआर पहल के तहत दोनों स्टेडियमों की मरम्मत और नवीनीकरण की जिम्मेदारी ली।

दोनों स्टेडियमों के जीर्णोद्धार के बाद शहर के बच्चे और वयस्क इनडोर और आउटडोर खेलों का अनुभव करने में सक्षम हैं और एक स्वस्थ राष्ट्र में योगदान दे रहे हैं।

### बैद्यनाथ धाम, देवघर में स्वच्छता कार्यक्रम

मौजूदा स्थिति में सुधार के लिए तीर्थस्थल केंद्र, बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर, झारखंड में एक व्यापक परियोजना शुरू की गई है। देश के सबसे प्रसिद्ध तीर्थस्थलों में से एक, बाबा बैद्यनाथ धाम को पावरग्रिड द्वारा स्वच्छता संबंधी विकास गतिविधियों के लिए गोद लिया गया है। देश के विभिन्न हिस्सों से लाखों भक्त गंगा से पवित्र जल चढ़ाने के लिए हर साल मंदिर आते हैं। मंदिर परिसर के भीतर कई अन्य अनुष्ठान भी किए जा रहे हैं, जो अक्सर अस्वच्छता और अस्वच्छ वातावरण में योगदान करते हैं। मंदिर एक बड़ा परिसर में है जिसमें नियमित सफाई की आवश्यकता होती है, लेकिन मंदिर प्राधिकरण के पास न तो पर्याप्त जनशक्ति है और न ही नियमित सफाई और रखरखाव की सुविधा के लिए पर्याप्त साधन हैं। इन्हीं कमियों के कारण परिसर को लगातार साफ-सुथरा और खुशनुमा बनाए रखने की जरूरत थी। परियोजना परिसर की स्वच्छता और स्वच्छता सुनिश्चित करने के प्राथमिक लक्ष्य के साथ शुरू की गई थी।



भवानीपटना में रेडक्रॉस स्कूल फॉर ब्लाइंड के शिक्षकों और छात्रों के साथ, निरीक्षण के दौरान, बातचीत करते पावरग्रिड के कार्यपालक निदेशक (सी एस आर)

## सामाजिक समावेशन पहल

### जरूरतमंदों को कंबल का वितरण

देश के पूरे उत्तरी क्षेत्र में सर्दियां हाड़ कंपा देने वाली होती हैं। इससे सबसे ज्यादा प्रभावित गरीब और बेसहारा लोग होते हैं। पावरग्रिड ने ठंड से निपटने के लिए जरूरतमंदों और कमजोर लोगों की मदद के लिए एक पहल की शुरुआत की। बेघरों, वंचितों और हाशिए पर रहने वाले लोगों की मदद के लिए कंबल वितरण अभियान चलाया गया। वितरण अभियान बिहार के पटना और मुजफ्फरपुर शहरों और झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम में हुआ। इन मानवीय कार्यों ने लाभार्थियों को कड़ाके की ठंड से तत्काल राहत प्रदान की और उन्हें शीतलहर और बीमारी से बचाया।

### मध्य प्रदेश के दमोह में सरकारी नेत्रहीन, बधिर और मूक विद्यालय में भोजन कक्ष और रसोई का निर्माण

डाइनिंग हॉल एक छात्रावास के प्रमुख महत्वपूर्ण भागों में से एक है। यह न केवल एक ऐसा स्थान है जहाँ स्वच्छ और स्वस्थ भोजन परोसा जाता है, यह बातचीत और सामाजिककरण के लिए एक सामान्य स्थान प्रदान करता है। विशेष रूप से बच्चों के लिए यह स्थान बौद्धिक और हल्की चर्चाओं के लिए और भावनाओं को साझा करने और सामाजिक कौशल सीखने के लिए सबसे उर्वर स्थान है। इस तरह की सुविधा से रहित स्कूल किसी नीरस और नीरस जगह से कम नहीं है। बच्चों को वह स्थान प्रदान करने के लिए जहां शरीर और दिमाग के लिए भोजन उपलब्ध कराया जा सके, सरकार में रसोई और भोजन कक्ष का निर्माण किया गया है। मध्य प्रदेश के दमोह में ब्लाइंड, डेफ एंड डंब स्कूल। स्कूल में इन सभी वंचित बच्चों के लिए भोजन कक्ष

में स्वच्छ और पौष्टिक भोजन परोसा जाता है। उनके पास सर्दी, गर्मी और बरसात के मौसम जैसी कठोर मौसम की स्थिति से खाने और साझा करने के लिए एक सुरक्षित स्थान है। इससे स्कूल के अधिकारियों को बच्चों द्वारा कूड़ा फेंकने से रोकने और स्कूल परिसर में स्वच्छता बनाए रखने में भी मदद मिली है। पावरग्रिड ने बच्चों के लाभ के लिए टेबल और बेंच भी उपलब्ध कराए हैं।

### भवानीपटना, ओडिशा में दृष्टिबाधित बच्चों के लिए स्मार्ट क्लास की स्थापना

पावरग्रिड ने ओडिशा में कालाहांडी जिले के भवानीपटना ब्लॉक में रेडक्रॉस स्कूल फॉर द ब्लाइंड में एक स्मार्ट क्लास रूम की स्थापना की। स्मार्ट क्लासरूम में दस ब्रेल लर्निंग डिवाइस किट हैं। ये स्वयं सीखने वाले ब्रेल उपकरण हैं। स्कूल में करीब 62 नेत्रहीन बच्चे हैं। स्मार्ट कक्षा की स्थापना से पहले, शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया पारंपरिक रूप से लकड़ी के ब्लॉक, मार्बल और प्लास्टिक स्लेट का उपयोग करने के लिए बहुत कम थी, जिसमें 1:1 शिक्षक-छात्र पर्यवेक्षण की आवश्यकता होती है।



## केस स्टडी

डिजिटाइजिंग एजुकेशन –

# स्मार्ट क्लास प्रोजेक्ट

महामारी के दौरान, हमने शिक्षा के क्षेत्र में शैक्षिक मानकों, प्रगति और नवाचारों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। स्कूलों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों ने वर्चुअल व्हाइटबोर्ड, प्रोजेक्टर और अन्य ऑडियो/विजुअल उपकरणों और इंटरनेट के माध्यम से आधुनिक शिक्षण विधियों को अपनाया है। एक स्मार्ट क्लास के ये सभी तत्व छात्रों के लिए सीखने को मजेदार और दिलचस्प बनाते हैं और शिक्षकों को भी अधिक प्रभावी शिक्षण देने में सक्षम बनाते हैं।

शहरों में नगर पालिकाओं के अंतर्गत आने वाले सरकारी स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम की अंतर्निहित आवश्यकता है। ऐसे स्कूलों में पढ़ने वाले ज्यादातर बच्चे समाज के वंचित वर्ग के होते हैं। धन की कमी के कारण गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बुनियादी ढांचा वहां दम तोड़ देता है। और इस प्रकार, कॉरपोरेट्स और पीएसयू ने अपने सीएसआर फंड के माध्यम से इन वंचित वर्गों पर ध्यान देना शुरू कर दिया है।



पावरग्रिड, एक कॉर्पोरेट नागरिक के रूप में समाज के उत्थान के साधन के रूप में शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करता है। पावरग्रिड ने इस विषय के तहत विभिन्न प्रकार की परियोजनाओं को हाथ में लिया है, और उनमें से एक स्मार्ट क्लासरूम प्रदान कर रहा है। हरियाणा के उन्नीस जिले पावरग्रिड द्वारा स्थापित स्मार्ट कक्षाओं के गवाह हैं। हरियाणा में 405 सरकारी स्कूलों में 810 स्मार्ट क्लासरूम स्थापित और संचालित किए गए हैं। यह परियोजना स्कूलों की पहचान के लिए राज्य शिक्षा विभाग के समन्वय से हरियाणा राज्य सीएसआर ट्रस्ट के माध्यम से कार्यान्वित की गई थी।

प्रौद्योगिकी की मध्यस्थता वाली स्मार्ट क्लासरूम वीडियो, ऑडियो, चित्र और ऑनलाइन उपलब्ध अन्य सामग्री के माध्यम से छात्रों को सीखने का संपूर्ण अनुभव प्रदान करती है। रचनात्मक तकनीक का उपयोग करते हुए, स्मार्ट क्लासरूम छात्रों को रटते सीखने से मुक्त करना संभव बनाते हैं। वे आलोचनात्मक चिंतन कौशलों के साथ-साथ समस्या समाधान कौशलों को भी बढ़ा सकते हैं। ये कौशल न केवल शैक्षणिक लक्ष्यों के अनुसरण में बल्कि पेशेवर जीवन में भी बहुत आवश्यक हैं।

ऑडियो-विजुअल सहायता की मदद से सीखने को वास्तविक दुनिया के उदाहरणों के साथ जीवंत किया जाता है। स्मार्ट कक्षा सुविधाएं क्रॉस स्कूल सीखने के लिए प्रदान करती हैं। यह 21वीं सदी में शिक्षा के अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ तालमेल बिठाने की दिशा में एक कदम आगे है ताकि भारतीय छात्र वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें।

सरकार के निर्देशों के अनुसार तीसरे पक्ष द्वारा परियोजना के प्रभाव का आंकलन किया गया है और निम्नलिखित निष्कर्ष हैं:

- ❖ **छात्र अपनी पढ़ाई में स्मार्ट कक्षाओं को फायदेमंद पाते हैं:** वीडियो, ग्राफ और 3डी आरेखों के माध्यम से अवधारणाओं के विजुअलाइज़ेशन के रूप में सीखना आसान हो गया है।
- ❖ **व्यवहारिक और व्यवहारिक परिवर्तन:** कक्षाएं अधिक संवादात्मक हो जाती हैं, छात्र कक्षाओं को पहले से अधिक आकर्षक और दिलचस्प पाते हैं।
- ❖ **डिजिटल तकनीक के साथ बढ़ी हुई सुविधा:** स्मार्ट कक्षाओं के संपर्क में आने के कारण डिजिटल प्रौद्योगिकी की ओर अधिक झुकाव।
- ❖ **शिक्षक छात्र बातचीत में बेहतर:** बेहतर नोट्स बनाना, उनके पाठों/परीक्षाओं का ट्रैक, कक्षाओं में आने वाले अधिक रचनात्मक समाधान।
- ❖ **बढ़ा हुआ आत्मविश्वास:** "हमें लगता है कि अब हम शहर के बच्चों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं"। आत्मविश्वास में यह वृद्धि बहुत दर्शनीय थी।



## केस स्टडी

# महिला छात्रावास

केरल कृषि विश्वविद्यालय

पावरग्रिड एक कल्याणकारी राज्य के दर्शन में विश्वास करता है जिसका उद्देश्य विशेष रूप से युवाओं के स्वास्थ्य और शिक्षा में सुधार करना है। अप्रैल 2018 में पावरग्रिड ने केरल कृषि विश्वविद्यालय (केएयू), त्रिशूर में उच्च अध्ययन करने वाले छात्राओं के लिए एक सुरक्षित स्थान के रूप में एक छात्रावास भवन को निधि देने की पहल की। परियोजना को अप्रैल, 2018 में अनुमोदित किया गया था और फरवरी, 2021 में विश्वविद्यालय को सौंप दिया गया था। भवन का नाम 'कृतिका' महिला छात्रावास रखा गया है।

सौहार्दपूर्ण बुनियादी ढांचे, स्वच्छता और साफ-सफाई के साथ अच्छी गुणवत्ता वाले आवास प्रदान करने के लिए छात्रावास को डिजाइन किया गया है ताकि छात्राएँ अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित कर सकें।





छात्रावास में अलग-अलग पढ़ने के कमरे, निर्बाध इंटरनेट सेवाओं के साथ वाई-फाई, यूपीएस बैकअप और उच्च गुणवत्ता वाले रसोई उपकरण, भोजन कक्ष के लिए पर्याप्त जगह आदि जैसी आवश्यक सुविधाएं प्रदान की गई हैं। सभी मंजिलों पर वाटर कूलर प्रदान किए गए हैं। मच्छरों से बचाव के लिए खिड़कियों पर मच्छरदानी, विकलांग छात्राओं के लिए अलग शौचालय की सुविधा और भस्मक भी सुविधा का हिस्सा हैं।

छात्रावास में रहने वाले छात्राएँ नियमित रूप से कक्षाओं में भाग लेने में सक्षम होते हैं और पुस्तकालय में पढ़ने या खेल खेलने के लिए समय निकालते हैं। अकादमिक रूप से महत्वाकांक्षी छात्रों के लिए छात्रावास को दूसरा घर माना जाता है।



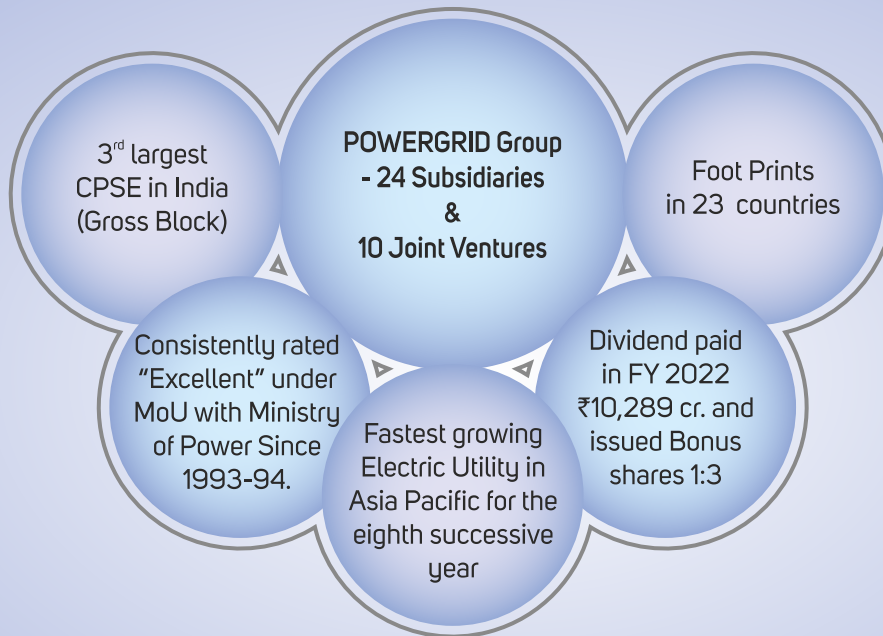
**हॉस्टल का प्रभाव अध्ययन मैसूर के केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा किया गया था और इसे ओई सीडी मापदंडों पर नीचे दिया गया है:**

- ❖ **प्रासंगिकता:** तीन मंजिला छात्रावास भवन की अधिकतम क्षमता 154 छात्राओं की है। वर्तमान में इस छात्रावास में पीजी और पीएचडी की पढ़ाई कर रहे 97 छात्राएँ रह रही हैं।
- ❖ **प्रभावशीलता:** ग्रामीण (65 प्रतिशत), आदिवासी (1 प्रतिशत) और शहरी (33 प्रतिशत) समुदायों से संबंधित छात्राएँ जिन्हें वास्तव में छात्रावास की सुविधा की आवश्यकता है, उन्हें इस छात्रावास में समायोजित किया जाता है।
- ❖ **दक्षता:** 97 बोर्डर्स में से, 82% छात्राओं ने इस तथ्य पर संतोष व्यक्त किया कि छात्रावास के जीवन ने उन्हें प्रेरणा और सीखने का माहौल प्रदान किया। 85% का मानना है कि छात्रावास के जीवन ने उन्हें सुरक्षित और भयमुक्त बना दिया है।
- ❖ **प्रभाव:** छात्रावास में रहने से छात्राओं को स्वावलंबी होने में मदद मिली है – 88% छात्राएँ पूरी तरह सहमति व्यक्त की है।
- ❖ **स्थिरता:** केएयू के अधिकारियों द्वारा भवन निर्माण की बारीकी से निगरानी की गई और 53% छात्राएँ संतुष्ट हैं कि अच्छी गुणवत्ता वाली सामग्री का उपयोग किया गया था।



**POWERGRID:**

A "Maharatna" Central Public Sector Enterprise



**Credit Rating:**

❖ Domestic: "AAA" (CRISIL, ICRA & CARE)

❖ International: Baa3 (Moody's); BBB- (S&P Fitch) - at par with Sovereign



**TRANSMISSION**

- 172437 ckm Transmission Lines
- Transformation capacity of 474,457 MVA with 265 Substations
- Transmission availability at 99.83 %
- Operates about 86% of Inter-Regional networks
- IR Capacity 97,290 MW

**CONSULTANCY**

- Foot-print in 02 new countries viz Moldova & Guinea
- JDA signed for works in Kenya under PPP framework
- Emerged most preferred bidder as "Project Management Consultant" in Moldova (East Europe)
- Signed shareholder agreement for Joint Venture with Nepal Electricity Authority
- Bagged 16 new international and 21 new domestic orders

**TELECOM**

- Agreement signed for leasing OPGW fiber in West Bengal, Jharkhand, Assam and Bihar to enable new business opportunity with reliability
- 74,000 Kms Optical Fiber Network
- 99.99% Backbone availability.
- 458 PoP and 780 POI locations

**OUR GREEN COMMITMENT**

**Smart Metering**

- Initiated Procurement process for End-to-End Smart metering Solution for 1 Cr Smart Meters.

**Solar Power Generation**

- 5 locations having potential of installed capacity of about 200MWp identified.
- Other locations are Aurangabad, Durgapur, Bina and Itarsi.

**Battery Energy Storage System (BESS)**

- SECI invited proposal for setting up ISTS-connected Pilot Project on BOOT Basis.
- Agreement storage capacity of 1000 MWh (500 MW \* 2 hrs).

**Rooftop Solar Systems**

- Established Capacity – 7.6 MWp at 110 locations.

**OTHER RELATED ACTIVITIES**

- POWERGRID released its 7<sup>th</sup> Sustainability Report 2019-21 prepared in accordance with Global Reporting Initiative (GRI) Standards "Core"
- Commissioned World's first 400 kV Reactor with environment friendly Natural Ester Oil.



## Vision

To be a Corporate that sets a long term strategy for Social & Economic Development of communities through initiatives in rural development, education, skill development, health and other areas of national importance and adhere to sustainable environmental practices



## Mission

To align CSR and Sustainability policy with the business policy so as to conduct business in a sustainable manner adhering to the principles of Avoidance, Minimization and Mitigation in dealing with environmental and social issues and to undertake high impact community development projects of national and local importance in consultation with stakeholders

Enriching people's lives and empowering those on the peripheries is what POWERGRID strives for through its CSR initiatives across India. When the entire Nation was hit by COVID-19 pandemic, POWERGRID was among the first few Corporates who voluntarily came forward for rescuing and saving lives of its fellow citizens. We at POWERGRID believe that Good Health and Education play a pivotal role in shaping an individual who can deliver excellence in any area given an opportunity. As a Nation, we must succeed in building a better tomorrow by dedicating institutions which can deliver good quality education and health services. Our collective efforts have made a positive difference in the lives of people across India. We have grown progressively from being a resource provider to a facilitator and now an enabler for driving positive change. The CSR activities at POWERGRID is done with a thought that in the times ahead, survival will be ensured not alone by market principles but rather with Social acceptance we earn.

Interest has grown in the Inter-relationship of enterprises, society and the ecological environment, and the influence of CSR on the balance between financial profit and social value creation. Over time, social and environmental problems increasingly become financial ones and successful CSR strategies can enable companies to benefit from, and participate in the shared value they create POWERGRID through its CSR initiatives is focused upon improving the Human Development Index by way of positioning itself as a parenting force of various Social Change Agents operating at the ground level. The CSR interventions are focused on enhancing quality of life of the community in the vicinity of business locations by way of improving community healthcare and education, and developing critical small civic infrastructures besides generating sustainable livelihood options, promoting sports, art and culture. The Govt. of India has mandated businesses under Companies Act, 2013 to contribute 2% or more, of their net profit for CSR activity.

CSR is a self-regulating business model that helps a company to be socially accountable-to itself, its stakeholders and the public. By practicing corporate social responsibility, also called corporate citizenship, companies can be conscious of the kind of impact they are having on all aspects of society, including economic, social and environmental. During the last two decades, CSR has evolved an ever-widening range of issues. Our understanding of Corporate Social Responsibility has gone through a paradigm shift, moving ahead from the erstwhile Philanthropic activities. CSR is the deliberate inclusion of public interest into corporate decision-making, permeating across all spheres of the business activity. There is an emerging understanding on CSR at POWERGRID where CSR work is seen as having transformative potential for creating decent lives, and sustainable economic base for the poor and the marginalized communities, building equitable and inclusive societies for all.

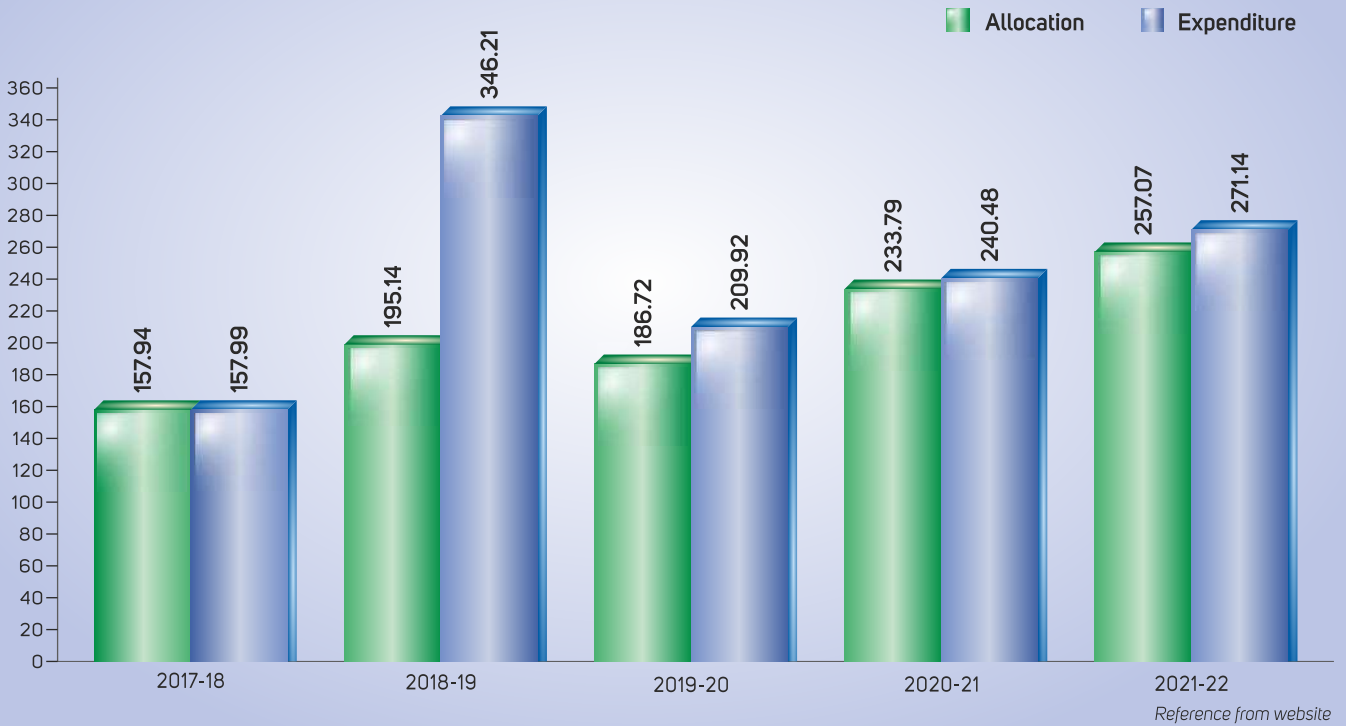


Average Net Profit of the Company as per Section 135 (5) : **12853.50 Cr.**  
 Approved CSR expenditure : **257.07 Cr.**

**Actual Amount Spent** : **271.14 Cr.**

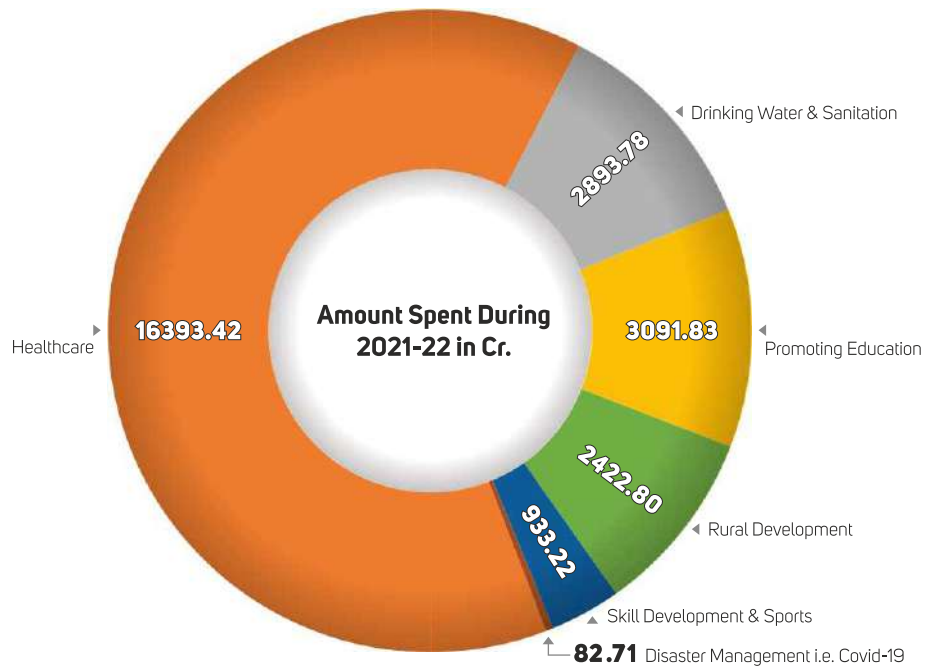
Total projects sanctioned : 152

Total projects completed : 214



**Total Expenditure as per thrust areas:**

Thrust Area	Number of Projects Approved in 2021-22
Environment & Sustainability	03
Healthcare	91
Drinking Water & Sanitation	13
Promoting Education	16
Rural Development	14
Skill Development & Sports	02
Disaster Management i.e. Covid-19	01
Art & Culture, Women Empowerment & Others	12
<b>Total</b>	<b>152</b>



3 GOOD HEALTH AND WELL-BEING



Color Doppler Ultrasound Machines provided to 2 Govt. hospitals in J&K



Medical Equipment in Kakinada

## Health & NUTRITION

It is health that is real wealth and not pieces of gold and silver

– Mahatma Gandhi

**P**OWERGRID's interventions in Health sector has improved access to quality healthcare services for the poor and marginalized communities. By identifying the root causes of healthcare challenges through a dialogue with the community, we aim at delivering and creating the healthcare infrastructure with a focus on implementing quality healthcare services in the rural settings across the length and breadth of the country.

The ambit of our CSR work includes improving maternal and reproductive health, child health and Nutrition, and early identification and treatment of communicable diseases.

Health care is conventionally regarded as an important determinant in promoting general physical, mental and social well-being of people and can contribute significantly to country's economy, development and industrialization.

### Key Achievements:

- 9 Oxygen Concentrators to Jammu District Administration
- Medical Equipment for Ayurvedic College, Vijaywada, PHC, Namakkal, Pugalur,
- Multi-parameter monitor, an X-ray machine, and an ECG machine in Pugalur
- Medical equipment at Jalna, Maharashtra, and health facilities in Sikkim
- O2-Nos ICU Ventilator for COVID-19 Treatment, Janjgir
- 100-bed COVID isolation centre at Bhadravati
- X-ray machines with CR system and other medical equipments to community health centre Mukundpur, civil hospital Amarpatan, community health centre Ramnagar & civil hospital Maihar in Satna district
- 22 medical camps at 13 locations
- Repair & renovation of 100 bed S K Roy civil hospital, Hailakandi



**POWERGRID signed an MoU with Indian Red Cross Society Telangana for supply of Blood Bank equipment to various Indian Red Cross Blood Banks in Telangana**



**Health Camp**



**Supply of Medical Equipment to various CHC, PHC and Government Hospitals.**

Essentially, a three-tier structure defines the Indian healthcare system — primary, secondary and tertiary healthcare services. Primary healthcare is provided to the rural population through sub-centre, primary health centre (PHC), and community health centre (CHC), while secondary care is delivered through district and sub-district hospitals. On the other hand, tertiary care is extended at regional/central level institutions or super specialty hospitals. One of the most pressing problems in India remains a severe shortage of medical equipment and instruments. The situation remains worrisome in rural areas.

As such POWERGRID is present across a large geographical area in India. And, therefore, POWERGRID is able to penetrate a large section of rural areas through its CSR initiatives in Healthcare services. Following are some of the notable interventions:

- Mobile Medical Units in Bilaspur, Himachal Pradesh
- Furniture items to govt. dispensary at Patelpali village, Raigarh
- Pagewriter Cardiograph and Semi Auto Analyser Machine for PHC, Sankarandampalayam, Pugulur, Tamil Nadu
- Medical Equipment to Public Health

- Center, Village Nirona at Nakhatrana, Bhuj, Gujarat
- Medical equipment for Community Health Centre, Kartarpur, District Jalandhar, Punjab

**Assistance in COVID-19 vaccination programme through supply of cold chain equipments**

The Covid-19 pandemic has wrought havoc on mankind and thousands of people got infected by the Corona virus every day. A very large portion of these infected persons were in emergency situation requiring external oxygen support either in hospital or at home. Due to this heavy demand for medical oxygen there was a huge gap between demand and



SK Roy Hospital, Hailakandi



Handing over Ambulance in Chitradurga, Karnataka

**Ambulances to Govt. Hospitals and Health Centres**

Rural infrastructure in Health sector is in stark deficiency. Providing quality healthcare to rural populations is vital, but highly overlooked in the country. However when it comes to addressing healthcare in rural India, there remains considerable challenges in setting up robust emergency medical services.

POWERGRID as a responsible Corporate entity has supplied Advanced Life Support Ambulance (ALS) in various parts of the country with an objective to provide emergency care to sick or injured people. Quick immediate attention to the rural patients and to move them to an enabling hospital with adequate health infrastructure is of prime importance to reduce mortality and also to check spread of communicable diseases. Some of the locations covered under this CSR intervention are primarily the Dhemaji, Chachar, Hnahthial, Krishna, Sivagangai, Chitradurga, Vadodara, Bhuj and Roing Districts spread across different parts of the country.

supply. As a result hospitals were not in a position to admit patients leading to panic in the society. Same was the case with patients under treatment or isolation at home.

Aligning with the strategic decision of the Government to equip health centers with oxygen cylinders, POWERGRID quickly set up a 3X50 NcuM/hr. PSA type oxygen generator along with bottling plant at Tau Devital Stadium in Gurugram. A similar initiative to combat Covid-19 was undertaken at Jaisalmer in Rajasthan.

Considering the urgency and fatality due to Covid-19 vaccination programme was undertaken and procurement and supply of cold chain equipment was also done for supporting the existing infrastructure. POWERGRID supplied cold chain equipment such as Ice lined Refrigerator, Deep Freezer and Insulated vaccine van in the UT/state of Ladakh, Mizoram, Punjab and Sikkim.

It not only provides accurate temperature needed by the pharmaceutical but also, it ensures that during the production of the medicine the temperature is maintained throughout.

**4 QUALITY EDUCATION**



## Promoting EDUCATION

Education is the most powerful weapon which you can use to change the world – Nelson Mandela

Education is one of the most powerful tools to ensure sustainable development and thus it remains a mainstay for POWERGRID's CSR initiatives. In India, education in the rural segments is not only important to eradicate poverty and illiteracy, but also for a variety of other social, economic as well as cultural and political reasons.

India has the largest education system in the world after China. However, issues of Quality education and penetration remains a challenge in some parts of the Country. Access to education is critical to access emerging opportunities that accompany economic growth.

POWERGRID has been instrumental in providing the best possible education by way of establishing and providing infrastructural support to

Govt. Schools, Colleges and Universities. Youth need education to make them ready for struggles of life.

### Smart Classroom

Teachers can open the door, but you must enter it yourself – Chinese proverb

POWERGRID has undertaken various initiatives for the development of sustainable infrastructure for good education mainly in rural belts of the country. One of the endeavors is to empower children to cope up and thrive in the digital world. Smart classroom initiative in Government schools catering to the underprivileged and poor students is a step towards catapulting these children to compete with the more privileged ones.

### Key Achievements:

- Setting up 608+ smart classrooms in various government schools in Rajasthan and Haryana
- Setting up of the ITI at Shergarh, Jodhpur
- Provided 50+ RO water plants and 665+ school benches at government schools in the Meeraganj, Amalpura and Ranchi districts
- Two school buses have been provided for the government schools located in the villages of Dhanora and Khasso
- Provide financial assistance to the NFCH for the education of 1632+ children. Violence impacted students from Assam, Manipur and Chhattisgarh
- Construction of a computer lab at a public school in the village of Garh-Beguniapada and provision of computer hardware and accessories close to the village of Raigarh
- POWERGRID has built more than 47 classrooms in various government schools spread across various districts, including Moga, Beed, Samba, Karur, Tirupur, Kota and Gurdaspur
- Providing funds to manage basic infrastructure and renovate various government schools in various states, including Bihar, Chhattisgarh, Meghalaya, J&K, Sikkim, Rajasthan, Andhra Pradesh





This is a step ahead to bring the students out of the chalk-black board culture and to keep pace with international standards of education in the 21<sup>st</sup> century. Through this education program, we support the students early in their lives, improving their academic performance. Some of the notable Schools were Army Goodwill Schools in J&K, Interactive Play Space in Tiruppur (TN), Jagannath Excellence School, Mandla (Gujarat) and 480 classrooms in 12 districts of Haryana.

**Financial assistance for education of violence affected students of Assam, Manipur and Chhattisgarh**

POWERGRID in association with National Foundation for Communal Harmony (NFCH) is providing financial assistance for education of 1632 violence affected students from the

States of Assam, Manipur and Chhattisgarh (under the project "Assist"), for a period of one year during 2021-22. The children become orphan or destitute due to death or permanent incapacitation of either or both the parents or the main bread earner in the family during ethnic, communal and other forms of societal violence.

This is a regular financial assistance provided to children on annual basis. The project aims to achieve the 16<sup>th</sup> Goal of Sustainable Development which emphasizes on Promotion of Justice, Peaceful and Inclusive Society. Conflict, insecurity weak institution and limited access to justice remain a great threat to sustainable development. Through this project we aspire for peaceful society as children from conflict areas get assistance to develop themselves through quality education.

**Construction of educational Infrastructure in Government Schools**

In order to achieve sustainable rural development in India, investment in human capital is imperative. Reaching remote parts of India with quality education and in the larger interest of the students and teaching staff is the goal of this project. POWERGRID has undertaken several initiatives like constructing new classrooms, new toilet blocks, including separate toilets for girl and boy students and teachers. Schools now have drinking water stations and smart classrooms. Each classroom has necessary furniture such as desks & benches for students, table & chair for teachers, a computer room, and other such facilities.

With improved and modern infra facilities in government schools, children of disadvantaged sections are able to cope up with rigorous academic curriculum. Dropout's have come down considerably and they are now confidently able to face the challenges of life. Beneficiaries of this initiative are mainly at Dhanora, Moga, Samba, Bassi, Karur, Kota and Pathankot.



## Sustainable Livelihood & WOMEN EMPOWERMENT

**I can promise you that women working together – linked, informed and educated – can bring peace and prosperity to the forsaken planet** – Isabelle Allende

It has been long since women have stepped out of their homes and have gained eminent positions and status in almost every field of society, then be it education or corporate world or Politics. It is contradictory but, women in India have been denied access to most basic amenities, such as education and healthcare, due to social structures. Education is the best means to empower women to choose what is best for their well-being and the

overall wellbeing of the society.

Education for women leads to financial stability through a job or a business, which ensures a constant source of revenue. It has been observed that financially stable women are more confident and hence, have better decision-making capabilities, thereby making them empowered. They are still disadvantaged and are struggling to find a voice in the society, especially in the rural areas.



**Skill Development Training Program at CIPET, Sonapat in Haryana**

### Key Achievements:

- Distributed over 19 sewing machines and provided a six-month tailoring training for women and girls in Almora district of Uttarakhand
- Training to over 275 unemployed youth in Damoh District through CEDMAP
- Skill-development programme for 945 apprentices in 2021-2022

### Tailoring & Stitching Classes for unemployed Women

To empower women and improve the economic status of women and their families POWERGRID has provided women with sewing machines and



POWERGRID apprentices at PAL Manesar



Skill Development Training Center at Guwahati

### Construction of the Skill Development Center Building at the Assam Engineering Institute

To realise the economic potential of the region, it is imperative to utilise the demographic advantages and parameters that will lead to market-linked skill development. Assam Engineering Institute, Guwahati, is a premier technical institution in Assam and is only 6.5 kilometres from the POWERGRID office in Guwahati. The institute was established in 1948 with ISO 9002 certification. Affiliated to the State Council for Technical Education, the Institute undertakes various schemes of Government of India including special Diploma courses for persons with disabilities.

Skill Development Training Centre has been established by POWERGRID to provide various employment oriented vocational & short term training to unemployed youth with avenues and opportunities to take part in nation building as well as for development of their personality and skills.

### Apprenticeship Program for 2020-21

adequate training on tailoring. The training centre has been established at several places, such as Mangaon in Uttarakhand and Gurugram in Haryana, as a part of women's empowerment programmes.

This project has allowed the trained woman to contribute to her family's income through earning from tailoring while fulfilling her role as a homemaker. In addition to this, they are able to fulfill all their needs of children including their education and ration for their family and other needs. Literacy among children have risen in such families.

POWERGRID has been engaging apprentices every year as per the stipulations of the Apprentices Act 1961. The minimum required intake of 2.5% of the company's manpower strength was carried out up to the fiscal year 2019-20. In compliance with Rule 7(b), Sub-rule (3) the intake of Apprentices since FY 2020-21 has been substantially increased to 10% of employee strength. In 2021-22 POWERGRID engaged 975 apprentices under the programme. POWERGRID imparts a reasonable ability to handle jobs independently and effectively, and thereby improve employability of the trainees in sectors like Civil, Electrical, Electronics & Communication, Computer Science Engg., HR, CSR, Law and Office Management, etc.



Plantation of pigeon pea on field bunds



Peanut Farming

## Environment & SUSTAINABLE AGRICULTURE

**The only way forward, if we are going to improve the quality of the environment, is to get everybody involved** – Brigham Young

Environmental protection is improving, and maintaining the quality of the environment. The main methods of environmental protection are recycling, reusing, and reducing. However, some other methods, such as green energy production, green transportation development, and eco-friendly industrialization, can also contribute to environmental protection. Not only residents but also businesses and industries should play their basic roles to improve the environment.

Governments are making policies and entering into agreements with other countries to come up with strategies and share technologies that can protect the environment. POWERGRID also contributes towards protection of environment from the human activities.

### Installation of Solar lights for a better tomorrow

Installation of solar street light by POWERGRID is expected to help alleviate the problems of insufficient

### Key Achievements:

- Installation of more than 635 solar LED street lights in Purnea, Askihal, and Bhadohi
- Providing an animal ambulance to ADM Falaudi, Rajasthan, for the protection and conservation of the migratory bird Demoiselle Crane
- In Barahmasiya, on the right bank of the Mahananda River, a boulder revetment has been built and repaired
- Fruit gardens are built in the district of Saiblu, Manipur.
- Plantation of 1000+ trees in the areas of Gurugram and Haryana
- State-level painting competition under the National Awareness Campaign for Energy Conservation
- Construction of GUL (a pond-waterbody) in the village of Koteshwar
- Digging/renovation of ponds in Pokonda and Mandarbahal villages in Angul district of Odisha is providing succour to about 1500 population for their daily water needs



Boulder Revetment on Mahananda River



Tree Plantation in Jammu

Re-excavation of canal in Nadia district of West Bengal

lighting in rural areas after the sunset. We believe that with the installation of Solar lights chances of accidents and other unforeseen events are likely to reduce and would provide fearless environment to the rural masses. At the same time it is eco-friendly and has no interference with the environment. Some of the locations where solar street lights have been installed by POWERGRID are Purnea and Ara (Bihar), Various districts of Himachal Pradesh, Bhadoji, Mathura, Chandauli and Varanasi (Uttar Pradesh), Raichur (Karnataka) and Damoh (Madhya Pradesh).

**Construction and maintenance of damaged right bank of the Mahananda River**

Barahmasia Village in Kochadham Block of Kishanganj is the worst-affected area during the monsoon flood. The provisioning of boulder revetment on the right bank of the Mahananda River at Barahmasia Village in Kochadham Block in Kishanganj is turning out to be an effective flood control measure for the village in particular and the entire district of Kishanganj as a whole.

**Fruit Garden, Saiblu, Manipur**

With the successful CSR intervention by POWERGRID in the Sialbu Community Fruit Tree Garden, the community garden is proving to be a valuable asset for this village, carefully designed to alleviate subsistence living while also protecting the environment and adding to the surrounding rural beauty.

**Construction of Gul (Pond-Waterbody) for Fafran/Sauntiyaal Village Koteswar, Uttarakhand**

From this POWERGRID CSR intervention, the locals are deriving the long-term benefit as the construction of Gul is providing them with uninterrupted supply of water for drinking & irrigation.

**Excavation of Ponds**

About 1500 population belonging to Pokona and Mandarbahal villages under Athmalik block in Angul district of Odisha were suffering from acute shortage of water for their daily needs. POWERGRID excavated a pond in Mandarbahal village and renovated a pond in Pokonda village. These villages are inhabited mostly by SC/ST people and had no other source of water.

All their daily needs of water for drinking, bathing, horticulture and farming are primarily fulfilled from these ponds.



Vegetable Farming in Kalahandi District



Solar LED Street Light in Mathura

## Rural DEVELOPMENT

True progress of India lies in the development of its villages

— Kulmeet Bawa

Rural development is greatly overlooked and neglected. Corporate world focuses on the urban development leading to exodus of working population from the villages. This further leads to diminishing rural economy. Economic and social upliftment of rural areas is necessary to check diminishing rural economy. Rural development aims at improving the quality of life of people living in rural areas.

POWERGRID has undertaken many activities for the general welfare of the rural folks residing in different parts of the country. Initiatives like

construction of village roads, solar LED lighting, community and marriage halls, renovation of parks, school, health and sports infrastructure, sanitation, drinking water facilities, conservation of water are some of the initiatives undertaken by POWERGRID.

POWERGRID has also initiated programs to help farmers, especially in the tribal areas, with training in agriculture farming, poultry and animal husbandry and plantation of fruit bearing trees so that the village economy regains the age old resilience for self sufficiency and sustainability.

### Key Achievements:

- 15+ community centres are being built in many districts, including Surat, Angul, Raigarh and Navi Mumbai
- Installation of 425 solar street lights in Mathura, Uttar Pradesh
- Village connecting roads are being improved and built in the districts of Kaimur, Gangtok, Sitamarhi and Imphal West
- Construction of a crematorium at Mittapally Thanda in Nizamabad District, Telangana

### Improving Rural Livelihood through Integrated Watershed Management in Kalahandi District

POWERGRID has engaged the International Crops Research Institute for the Semi-Arid Tropics (ICRISAT) in developing a scalable learning site to improve agriculture productivity and livelihoods and build climate resilience through integrated watershed management in 10 villages of Jaipatna



Vaccination of Poultry



Rural Road in Yurembam Makha Leikai, Imphal



Watershed management in Mukhiguda Village

block in Kalahandi district of Odisha. The watershed program was formally launched on 30<sup>th</sup> October, 2020. During 2021-22 major focus has been on:

- The construction of rainwater harvesting stores.
- A cluster had been developed in Mukhiguda village as a model of natural resource management interventions alongwith others productivity & livelihood intervention.
- A diversion dam has been constructed to manage runoff generated from the hillocks. Large paddy fields have been divided into smaller pests by placing earthen field bunds across the slope alongwith inasmary drainage stores. The cross section of the field bunding varied between 0.8 to 1.5 sqm. Biped outlets have been provided to help farmers maintain water level as per the crop water requirement.

- Soil health rejuvenation was undertaken through micro- and secondary nutrient application demonstrations in 380 farmers' fields.
- Nutrient-dense millet varieties (finger millet, foxtail millet, and pearl millet) and improved varieties of groundnut, pigeon pea, sorghum, and chickpea were demonstrated, introduced and evaluated in 580 farmers' fields.

#### Construction of village road

The objective of the project is to develop better rural connectivity which will help market accessibility, easy commutation, thus leading to local growth, community development and increase in standard of living.

Construction of road by POWERGRID in villages under CSR intervention has been greatly appreciated by the village folk. Road has become the life line of the people of these villagers, during the rainy season. Mud road with uneven and slippery surface causing inconvenience to the elderly and children have been replaced with pucca roads. Farmers faced problems in transporting their harvest to their houses and market places.

Shops have come up on the road side leading to rise in village market. Some of the locations where POWERGRID has made such interventions recently are Sundergarh (Odisha), Jalipool Gangtok (Sikkim), Bhojpur & Parmanandpur, Kaimur (Bhabua) (Bihar), Paschim Medinipur, Murshidabad (West Bengal).



## Drinking Water & SANITATION

Without regard to whether some place is wealthy or poor, everybody should have the chance at clean air and clean water – Barack Obama

### Swachhta Pakhwada

With an aim to intensify the focus on cleanliness and to create an enabling environment for sanitation and hygiene, Swachhta Pakhwada was observed in all the establishments of POWERGRID across the country. Various activities, such as demonstrations of cleaning activities, video telecasts, Nukkad Nataks, rallies and public campaigns, have been organized in and around the campus, where employees have

actively contributed their efforts towards keeping the environment clean.

#### Availability of Potable Water for All

Rural water supplies have traditionally been overshadowed by urban ones. That must now change, as the Sustainable Development Goals call for water for all. Since most of the surface water sources, generally, are located at considerable distances from the rural villages, it is not possible to supply surface water to the scattered and

#### Key Achievements:

- Installation of 10,000+ dustbins on stations of the Indian Railways
- Installation of 13,000 twin-bin dustbins in 13 Assembly constituencies of Himachal Pradesh
- Provide financial support for Kevadia's comprehensive development
- Establishment and upkeep of a green belt in Gurugram
- Construction of 630+ hand pumps in various districts of Uttar Pradesh
- In Telangana alone, over 2040 toilets are being built in various tribal regions
- Deliver one electric road sweeper and three sweeping trucks to the districts of Shimla, Kulu, Vadodara and Itanagar
- Installation of a submersible pump, piped water system, and RO plant in districts Bhuj, Sundergarh, and Leh
- Six or more water coolers have been installed in the BDO Garbeta III office.





Cleaning of village pond in Baripada



isolated rural areas except in a few cases.

The majority of work undertaken by POWERGRID are installation of water tank and water purifier at Medinipur (WB), Tumkur (Karnataka), desalination RO at Bhuj (Gujarat), Ranchi (Jharkhand) and Pandiabilli (Angul). The work has been undertaken, with an objective to provide potable water to each individual ranging from rural household, school children, defence personnel posted in harsh locations and in border regions.

### Construction of toilets for Swachh Bharat

Toilets and water are basic necessities in schools. However, many schools in rural India are deprived of these basic necessities. As a result, irregular attendance and drop outs among children in school are very common, thus affecting their education.

School children use open areas for defecation due to a lack of washrooms which violates their

privacy and safety and at the same time damages and pollutes the clean environment. With CSR intervention POWERGRID has constructed toilets thus facilitating healthy and hygienic atmosphere in the schools. This has facilitated improvement of education standards of school children. Some of the location where such work is undertaken are Medinipur & Durgapur in West Bengal.



Playground for Women in Hazaribagh

## Promoting Sports, ART AND CULTURE

6 We need to help students and parents cherish and preserve the ethnic and cultural diversity that nourishes and strengthens this community—and this nation

— Cesar Chavez

### Restoration of two Stadiums in Mandore, Jodhpur

Mandore is an ancient and historical town located 9 kms north of Jodhpur city and about 15 kms from POWERGRID Jodhpur office. It has many monuments like fort, gardens and museum. A huge, now ruined, Ravan temple is a highlight of the town, which traces its history to Ramayana. It is believed to be the native place of Ravan's wife Mandodari. Ravan is treated as son in law among some local Brahmins here.

Mandore also has one outdoor and one indoor stadium. Amritlal Gahlot stadium is an outdoor stadium having sports facilities like football, volleyball, basketball and athletics, etc. and, Chainpura Indoor stadium has facilities for indoor sports like badminton, table tennis and gymnastics, etc.

The stadiums were in very bad shape and required repair and restoration in order to make them sports worthy. The structure and the truss-framed roof of the indoor stadium had gaps and holes through which moisture and rain water made ingress into the stadium. Even birds made nests. There was no scope for proper ventilation. The outdoor stadium, although having been used for various outdoor games earlier, had actually no facilities. Sportsmen and youth were not able to practically use these stadiums actually.

On request from the Jodhpur District Collector, POWERGRID took up the responsibility of repair, renovation and restoration of both the stadiums under its CSR initiative.

After restoration of both stadiums children and adults of the town are able to experience indoor and outdoor sports and are contributing to a healthier nation.



### Swachhta Program at Baidyanath Dham, Deoghar

A comprehensive project at the pilgrimage center, Baba Baidyanath Dham, Deoghar, Jharkhand, has been undertaken to improve the existing condition. One of the most renowned pilgrimage centres in the country, Baba Baidyanath Dham has been adopted for carrying out Swachhta-related development activities by POWERGRID. Millions of devotees from various parts of the country visit the temple every year to offer holy water from the Ganges. Several other rituals are also being undertaken within the temple premises, which often contribute to uncleanliness and an unhygienic environment. The temple has a large premise requiring regular cleaning, but the temple authority neither has sufficient manpower nor adequate means to facilitate the regular cleaning and upkeep. Due to these shortcomings, there was a need to keep the premises constantly clean and pleasant. The project was undertaken with the primary goal of ensuring the sanitation and cleanliness of the premises.

1 NO POVERTY



ED (CSR), POWERGRID during inspection interacting with teachers & students of Red Cross School for Blind in Bhawanipatna



## Social INCLUSION INITIATIVES

### Distribution of Winter Blankets to the needy

Winters are bone chilling in the entire northern belt of the country. The most affected are the poor and destitute. POWERGRID spearheaded an initiative to help the needy & vulnerable to combat the freezing temperatures. Drives to distribute blankets were organized to help the homeless, underprivileged and marginalized people. The distribution drive took place in the cities of Patna and Muzaffarpur in Bihar, and West Singhbhum in Jharkhand. These deeds of kindness provided immediate relief to the beneficiaries from the biting cold and saved them from frostbite and illness.

### Construction of Dining hall and Kitchen in Govt. Blind, Deaf & Dumb School at Damoh, MP

Dining Hall is one of the prime important part of a hostel. It is not only a place where hygienic and healthy food is served, it provides a common space for interaction and socialization. Especially for the children this space is the most fertile place for intellectual and light discussions, and also for sharing of emotions and learning social skills. A school devoid of such a facility is no less than a mundane and boring place. In order to provide the children that place where food for body and mind can be made available a kitchen and a dining hall has been constructed in Govt. Blind, Deaf and Dumb school at Damoh in Madhya Pradesh. Hygienic and wholesome food is served in the dining hall for all

these less privileged children in the school. They have a safe place for dining and sharing away from the vagaries of the harsh weather conditions like winter, summer and rainy season. This has also helped school authorities to prevent littering around by the children and maintain cleanliness in the school premises. POWERGRID has also provided tables and benches for the benefit of the children.

### Establishment of Smart Class for Visually Impaired Children in Bhawanipatna, Odisha

POWERGRID established a smart class room in Redcross School for the Blind in Bhawanipatna block of Kalahandi district in Odisha. The smart classroom consists of ten Braille learning Device kits. These are self learning Braille devices. The school has about 62 visually impaired children. Before establishment of the smart classroom, teaching & learning process was abysmally low as traditionally, wooden blocks, marbles and plastic slates were used in which 1:1 teacher - student supervision is required.



**CASE STUDY**

Digitizing Education –  
**Smart Class Project**

During the pandemic, we have seen a noticeable increase in educational standards, advancements, and innovations in the field of education. Schools and other educational institutions have adopted modern teaching methods through virtual whiteboards, projectors, and other audio/visual instruments & internet. All these elements of a smart class make learning fun and interesting for the students and also enable teachers to deliver much effective teaching.

There is an inherent need for Smart Classrooms in the Government Schools falling under municipalities in cities. Most children studying in such schools are from the underprivileged sections of the society. Due to shortage of funds quality education and infrastructure takes a beating there. And thus, Corporates and PSUs have started to focus on these disadvantaged sections through their CSR funds.



POWERGRID, as a corporate citizen focusses on Education as a means for upliftment of the society. POWERGRID has taken up various types of projects under this theme, and one of them is providing smart classrooms. Nineteen Districts of Haryana are witness to smart classrooms set up by POWERGRID. 810 Smart Classroom set up have been installed and operationalized in 405 Govt. Schools in Haryana. The project was implemented through Haryana State CSR Trust, in coordination with the State Education Department for identification of schools.

The technology mediated smart classroom provides wholesome learning experience to students through videos, audios, pictures, and other materials available online. Using creative technology, smart classrooms make it possible for students to break free from rote learning. They can enhance critical thinking skills as also problem- solving skills. These skills are very essential not only in pursuance of academic goals but also in professional life.

With the help of Audio-visual aid, learning is brought to life with real-world examples. The Smart classroom facilities provide for cross school learning. This is a step ahead to keep pace with international standards of education in the 21<sup>st</sup> Century so that the Indian students can compete at the global level.

An Impact Assessment has been done for the project by a third party in line with Government directives and following are the findings :

- ❖ **Students find smart classes beneficial in their studies:** Learning has become easier as visualisation of the concepts through videos, graphs and 3D diagrams.
- ❖ **Behavioural and attitudinal change:** Classes become more interactive, the students find the classes more engaging and interesting than before.
- ❖ **Increased comfort with digital technology:** More inclination towards digital technology on account of exposure to smart classes.
- ❖ **Betterment in teacher student interaction:** Better notes making, track of their lessons/tests, more creative solution approaching classes.
- ❖ **Enhanced Confidence:** "We feel we can compete with city children now". This enhancement in self- confidence was very visible.



**CASE STUDY**

# Ladies HOSTEL

Kerala Agricultural University

**P**OWERGRID believes in the philosophy of a welfare state which aims at improving health and education of the youths in particular. In April 2018 POWERGRID took an initiative to fund a hostel building as a safe and secure place for students pursuing higher studies at Kerala Agricultural University (KAU), Thrissur. The project was approved in April, 2018 and handed over to the University in February, 2021. The building has been named, 'HRITHIKA' Ladies Hostel.

The hostel has been designed to provide good quality accommodation, with amicable infrastructure, sanitation and cleanliness so that the students are able to focus on their studies. The hostel has been provided with necessary amenities such as separate reading rooms, Wi-Fi with uninterrupted internet services, UPS backup, and high-quality kitchen equipment, sufficient space for dining hall, etc. Water coolers have been provided on all floors. Mosquito nets for windows, separate toilet facility for differently abled persons and incinerators are also part of the facility.

Students accommodated in the hostel are able to attend classes regularly and take out time to study in library or play games. Hostel is considered the second home for academically ambitious students.

**Impact study of the Hostel was done by Central University of Mysore and have summed it up on the OECD parameters as below :**

**Relevance:** The three storied hostel building has a maximum capacity of 154 inmates. At present 97 students pursuing PG and PhD studies are staying in this hostel.

**Effectiveness:** Students belonging to Rural (65 percent), tribal (1 percent) and Urban (33 percent) communities who genuinely require the hostel facilities are accommodated in this hostel.

**Efficiency:** Among the 97 boarders, 82% students expressed satisfaction over the fact that the hostel life provided them motivation and learning ambience. 85% feel that Hostel life made them safe and secure.

**Impact:** The hostel stay has enabled the students to become independent – 88 % inmates are in total agreement. 92% strongly agreed that their interpersonal relations have improved.

**Sustainability:** Building construction was closely monitored by the KAU officials and 53% inmates are satisfied that good quality materials were used.



# पुरस्कार और सम्मान Awards & ACCOLADES



माननीय राज्यपाल हरियाणा द्वारा  
 बेस्ट सीएसआर प्रैक्टिसेस कोविड-19  
 प्रिवेंशन अवार्ड प्रदान करते,  
 15 अगस्त, 2021 गुरुग्राम

Presented **Best CSR Practices**  
 during **COVID-19 Prevention Award**  
 by the Hon'ble Governor of Haryana  
 on 15<sup>th</sup> August, 2021 in Gurugram.



एशिया पैसिफिक एचआरएम कांग्रेस  
 द्वारा 'सर्वश्रेष्ठ शिक्षा सुधार अवार्ड'  
 27 अक्टूबर 2021, बेंगलुरु

'**Best Education Improvement Award**'  
 by Asia Pacific HRM Congress,  
 27<sup>th</sup> October 2021, Bengaluru



वर्ल्ड सीएसआर कांग्रेस द्वारा  
 'सर्वश्रेष्ठ सीएसआर प्रैक्टिसेस अवार्ड'  
 प्रदत्त, 24 मार्च, 2022, मुंबई

"**Best CSR Practices Award**"  
 bestowed by the  
 World CSR Congress in Mumbai on  
 24<sup>th</sup> March, 2022



'10वां एक्सीड सीएसआर अवार्ड 2021' में  
 'गोल्ड', 08 अक्टूबर, 2021, देहरादून

"**Gold**" in "**10<sup>th</sup> Exceed CSR Award**  
**2021**" on 08.10.2021 at Dehradun



Harish Chandra  
 Editor  
 CSR TIMES

Justice MSA Siddiqui, Retd.  
 Jury Chairman  
 CSR TIMES AWARDS 2021

CSR TIMES  
 www.csrtimes.org



**पावरग्रिड**  
**POWERGRID**

**पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड**  
(भारत सरकार का उद्यम)

**POWER GRID CORPORATION OF INDIA LTD.**  
(A Government of India Enterprise)

**पंजीकृत कार्यालय :** बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016  
**Registered Office:** B-9, Qutab Institutional Area, Katwaria Sarai, New Delhi-110 016

**केन्द्रीय कार्यालय :** 'सौदामिनी', प्लॉट सं.2, सेक्टर 29, गुरुग्राम (हरियाणा)-122 001  
**Corporate Office :** 'Saudamini', Plot No.2, Sector 29, Gurugram (Haryana) -122 001

फोन/Ph.: 0124 - 2822888, 2822999

सीआईएन/CIN: L40101DL198960I038121

[www.powergrid.in](http://www.powergrid.in)

**One Nation, One Grid, One Frequency**